सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

"शतरंज का एक नियम बहुत ही उमदा है, चाल कोई भी चलो पर अपनों को नहीं मार सकते।"

वर्ष 01, अंक 169, नई दिल्ली

शुक्रवार, 01 सितम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

अगले पांच महीनों में सड़कों पर दौड़ेंगी 10 हजार इलेक्ट्रिक बसें, पीएम ई-बस सेवा 100 शहरों में होगी शुरू

संजय बाटला, संपादक

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने कहा कि पीएम-ईबस सेवा योजना जिसके तहत सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के अंतर्गत 169 शहरों को 10000 इलेक्ट्रिक बसें प्रदान की जाएंगी। यह योजना अगले पांच-छह महीनों में शुरू की जाएगी। इस योजना की अनुमानित लागत 57613 करोड़ रुपये होगी जिसमें से 20000 करोड़ रुपये केंद्र सरकार द्वारा दिए जाएंगे और शेष राशि राज्य वहन करेगा।

नई दिल्ली। 'पीएम-ईबस सेवा' योजना के तहत, 169 शहरों को 10,000 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत शुरू होने वाली यह योजना अगले पांच-छह महीनों में शुरू कर दी जाएगी। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने गुरुवार को इस बात की जानकारी दी है।

30 सितंबर कर जमा करने होंगे प्रस्ताव

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि जल्द ही केंद्र सरकार इसके लिए वातानुकूलित बसें खरीदने जा रही है। आवास और शहरी मामलों के सचिव, मनोज जोशी ने कहा कि यह योजना 169 शहरों में शुरू की जाएगी और राज्यों को 30 सितंबर तक अपना प्रस्ताव जमा करना होगा।

मेट्रो जैसा अनुभव देगी बसें

मनोज जोशी ने कहा कि दिशानिर्देश दो दिन पहले जारी कर दिए गए थे। अधिकारी ने कहा, ₹इन इलेक्ट्रिक बसों में मेट्रो जैसा अनुभव होगा। जोशी के मुताबिक, इस बस के टिकट भी ऑटोमेटिक फेयर सिस्टम के जरिए मिलेंगे। योजना के तहत, इन बसों को चलाने वाले ऑपरेटरों को प्रति किलोमीटर 20-40 रुपये का भुगतान किया जाएगा।

57 हजार करोड़ रुपये की लागत की योजना

पुरी ने कहा कि इस योजना में केंद्र, राज्य सरकार और सेवा प्रदाता शामिल हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि पीएम ई-बस योजना बहुत अच्छा काम करेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस महीने की शुरुआत में इस योजना को मंजूरी दे दी थी। इस योजना की अनुमानित लागत 57,613 करोड़ रुपये होगी, जिसमें से 20,000 करोड़ रुपये केंद्र सरकार द्वारा दिए जाएंगे और शेष राशि राज्य वहन करेगा।

2037 तक जारी रहेगी सेवा

सरकार ने कहा कि जिम शहरों को प्राथमिकता दी

जाएगी, जहां व्यवस्थित बस सेवा नहीं है। यह योजना 2037 तक जारी रहेगी। इस योजना के दो भाग होंगे, जिसमें 169 शहरों में सिटी बस सेवाओं को बढ़ाना और 181 शहरों में हरित शहरी गतिशीलता की पहला करना है। तीन लाख से 40 लाख तक की आबादी वाले शहरों में ई-बसें उपलब्ध कराई जाएंगी।

केंद्रीय मंत्री ने दी थी जानकारी

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस महीने की शुरुआत में कहा था, ₹शहरों को इस योजना के लिए एक चुनौती के माध्यम से चुना जाएगा। भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले कुल 20,000 करोड़ रुपये में से 15,930 करोड़ रुपये बसों के लिए, 2,264 करोड़ रुपये बुनियादी ढांचे के विकास और बैक-एंड सुविधाओं के लिए होंगे। इसके अलावा, 1,506 करोड़ रुपये हरित शहरी गतिशीलता के लिए होंगे।

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने कहा कि इस योजना के तहत, शहर बस सेवाओं को चलाने और बस ऑपरेटरों को भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

advertisement Tariff
w.ef. 1st January 2023

परिवहन विशेष

दिल्ली, एनसीआर से प्रसारित लोकप्रिय साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

in Rs. / Sq. Cm

	Basic	3rd Page	Back Page	Front Page Semi Solus	Font Page Solus
Delhi Aur Delhi	BW - Colour	Colour	Colour	Colour	Colour
Delhi	100*	200*	250*	300	300

Special Instructions:-

- Innovation on any page will be accepted at a premium of 100% on applicable card rate.
- Any specified position will be accepted at a premium of 25% on applicable card rate.
- B/W advertisement on page 3/Back will charged at colour rate.
- Classified display advertisement will be charged on basic display rate.
- Pointers 4x4 sq. C. or 5x4 sq. cm. will be charged as per card rate.
- box reply charges (each box) will be charged Rs. 150/-
- Political advertisement - as applicable.

परिवहन विशेष में विज्ञापन के लिए ऑनलाईन भुगतान सीधे बैंक खाते/फ़ोन पे पर कर सकते हैं और विज्ञापन के मैटर के साथ ऑनलाईन भुगतान की रसीद व्हाट्सऐप नंबर 09212122095 या newstransportvishesh@gmail.com पर भेज सकते है। भुगतान करने के लिए *NEFT / IMPS / RTGS*
Account Name:-Transport Vishesh Limited
IFSC CODE :- INDB0001396
Cur Account no :- 259212122095
या Phone pay :- 9212122095

लद्दाख में बन रही है यह खास 31.14 किमी लंबी सड़क, गडकरी ने बताई इसकी अहमियत

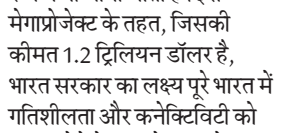

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने तस्वीरें साझा कर बताया है कि, लद्दाख में राष्ट्रीय राजमार्ग 301 पर कारगिल-जंस्कर इंटरमीडिएट लेन का निर्माण भारत सरकार कर रही है। मंत्री ने दावा किया कि पैकेज 6 के अंतर्गत आने वाली 31.14 किलोमीटर लंबी सड़क इस क्षेत्र में साल भर पहुंच सुनिश्चित करेगी।

नई दिल्ली। लद्दाख उत्तरी भारत के सबसे दूरस्थ क्षेत्रों में से एक है और सर्दियों के दौरान, देश के उस हिस्से तक पहुंच पाना लगभग असंभव हो जाता है। हालांकि, इस सड़क के निर्माण से समस्या का समाधान हो जाएगा, मंत्री ने दावा किया। उन्होंने यह भी कहा कि यह अपग्रेडेड राजमार्ग यात्रियों और माल के परिवहन दोनों के लिए एक विश्वसनीय और सुलभ लिंक प्रदान करके क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा।

गडकरी ने यह भी कहा कि इस उन्नत राजमार्ग से स्थानीय अर्थव्यवस्था और क्षेत्र के निवासियों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ₹लद्दाख में, हम राष्ट्रीय राजमार्ग 301 पर कारगिल-जंस्कर इंटरमीडिएट लेन को अपग्रेड कर रहे हैं। परियोजना की कुल लंबाई 31.14 किलोमीटर है और पैकेज - 6 के अंतर्गत आती है।₹ इस प्रयास का मकसद आंतरिक क्षेत्रों में यात्रियों और माल की आवाजाही दोनों के लिए एक विश्वसनीय और सुलभ लिंक प्रदान करके क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। उन्नत राजमार्ग साल भर पहुंच सुनिश्चित करेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बहुत लाभ होगा और क्षेत्र के निवासी।₹ मंत्री ने आगे कहा कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना लद्दाख क्षेत्र में तेज, परेशानी मुक्त और पर्यावरण के प्रति जागरूक गतिशीलता प्राप्त करने के लिए समर्पित है।

इस उन्नत राजमार्ग का निर्माण मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान का एक हिस्सा है, जिसे प्रधान मंत्री गति शक्ति के रूप में भी जाना जाता है। इस मेगाप्रोजेक्ट के तहत, जिसकी कीमत 1.2 ट्रिलियन डॉलर है, भारत सरकार का लक्ष्य पूरे भारत में गतिशीलता और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए देश भर में राष्ट्रीय राजमार्गों को बनाना और अपग्रेड करना है।

G-20 सम्मिट: दिल्ली में कई सड़कों पर दो दिन बदली रहेगी यातायात व्यवस्था, यहां पढ़ें पूरी ट्रैफिक एडवाइजरी

परिवहन विशेष न्यूज

जी-20 कारकेड की फुल ड्रेस रिहर्सल की जाएगी। दोनों दिन दिन में तीन बार अलग-अलग समय पर रिहर्सल की जाएगी। ऐसे में लोगों काफी परेशानी हो सकती है।

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए 2 व 3 सितंबर को जी-20 कारकेड की फुल ड्रेस रिहर्सल की जाएगी। दोनों दिन दिन में तीन बार अलग-अलग समय पर रिहर्सल की जाएगी। ऐसे में लोगों काफी परेशानी हो सकती है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने दोनों दिन की एडवाइजरी जारी करते हुए रूट देखकर यात्रा करने व कई रास्तों से बचने की सलाह दी है।

दो सितंबर-

जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल दिनांक 2 सितंबर, 2023 को सुबह 08.30 बजे से की जायेगी। रिहर्सल के हिस्से के रूप में, कारकेड दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से नई दिल्ली जाएगा। रिहर्सल सुबह 8.30 बजे से 12.00 बजे तक, 4.30 बजे से 6 बजे तक और शाम 7 बजे से रात 9 बजे तक होगी।

कारकेड की रिहर्सल के दौरान इन सड़कों से न निकलें

सरदार पटेल मार्ग-पंचशील मार्ग 11 मूर्ति, सरदार पटेल मार्ग-कौटिल्य मार्ग, गोलचक्कर तीन मूर्त, गोलचक्कर जीकेपी, गोलचक्कर गोल मेथी, गोलचक्कर एमएलएनपी,गोलचक्कर मानसिंह रोड, सी-हेक्सागन, मथुरा रोड, जाकिर हुसैन मार्ग - सुब्रमण्यम भारती मार्ग, भैरों रोड - रिंग रोड, गोलचक्कर ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग, गोलचक्कर यशवंत प्लेस, गोलचक्कर सत्य मार्ग/शांतिपथ, गोलचक्कर कौटिल्य, गोलचक्कर विंडसर प्लेस,जनपथ - कर्तव्यपथ, बाराखंभा रोड रेड लाइट, टॉलस्टॉय मार्ग-जनपथ, गोलचक्कर क्लैरिज, विवेकानंद मार्ग, मोती बाग फ्लाईओवर के नीचे, लोधी फ्लाईओवर के नीचे, प्रेस एन्क्लेव रोड - लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, चिराग दिल्ली फ्लाईओवर के नीचे, जोसेफ टीटो मार्ग - सिरी फोर्ट रोड और शेरशाह रोड।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि यात्रियों को इन सड़कों और जंक्शनों पर जाम व परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सड़क उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि वे उसी अनुसार अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं और निर्दिष्ट समय सारणी के दौरान उपर्युक्त सड़कों और जंक्शनों से बचें। हालांकि, यदि यात्रा अपरिहार्य है तो यात्रियों को मेट्रो सेवाओं का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी जाती है।

इन मार्गों से यात्रा कर सकते हैं-

उत्तर-दक्षिण गलियारा

-रिंग रोड - आश्रम चौक - सराय काले खां - महात्मा गांधी मार्ग - आईपी फ्लाईओवर - महात्मा गांधी मार्ग - आईएसबीटी कश्मीरी गेट - रिंग रोड - मजनू का टीला।

-एम्स चौक से रिंग रोड - धौला कुआं - रिंग रोड - बरार स्क्वायर - नारायणा फ्लाईओवर- राजौरी गार्डन जंक्शन - रिंग रोड - पंजाबी बाग जंक्शन - रिंग रोड - आजादपुर चौक

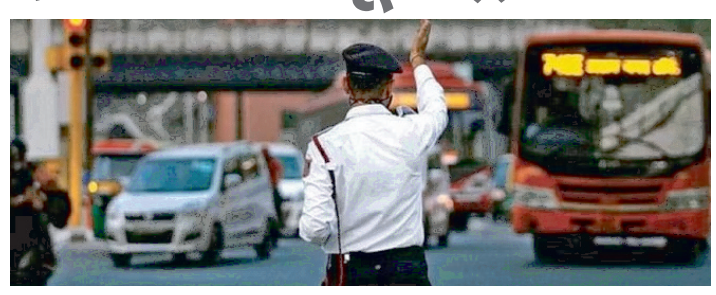

पूर्व-पश्चिम गलियारा

-डीएनडी फ्लाईओवर - रिंग रोड - आश्रम चौक - मूलचंद अंडरपास - एम्स चौक - रिंग रोड - धौला कुआं - रिंग रोड - बरार स्क्वायर - नारायणा फ्लाईओवर तक।

-युधिष्ठिर सेतु - रिंग रोड - चंदगी राम अखाड़ा - माल रोड - आजाद पुर चौक - रिंग रोड - लाला जगत नारायण मार्ग।

रेलवे स्टेशनों के लिए

यात्री नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन की यात्रा के लिए अपने निजी वाहनों, टीएसआर, टैक्सियों का उपयोग कर सकते हैं । हालांकि, सड़क यात्रा के दौरान उन्हें कुछ भीड़ और परिणामस्वरूप देरी का सामना करना पड़ सकता है , इसलिए उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना अग्रिम समय लेकर बनायें । रेलवे स्टेशनों तक आसान और अधिक सुविधाजनक पहुंच के लिए यात्रियों को मेट्रो सेवाओं का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी जाती है ।

हवाई अड्डे के लिए

यात्री हवाई अड्डे की यात्रा के लिए अपने निजी वाहनों, टीएसआर, टैक्सियों का उपयोग कर सकेंगे । हालांकि, सड़क यात्रा के दौरान उन्हें कुछ भीड़ और परिणामस्वरूप देरी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना अग्रिम समय लेकर बनायें । रेलवे स्टेशनों तक आसान और अधिक सुविधाजनक पहुंच के लिए यात्रियों को मेट्रो सेवाओं का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी जाती है, विशेष रूप से नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन से आईजीआई एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन के माध्यम से द्वारका सेक्टर 21 मेट्रो स्टेशन को जोड़ने वाली एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन का उपयोग करें ।

सिटी बस सेवाएं

सिटी बस सेवाएं बड़े पैमाने पर प्रभावित नहीं होंगी, फिर भी वास्तविक समय यातायात की स्थिति के आधार पर उन्हें नई दिल्ली जिले में कुछ सड़क मार्गों से मोड़ा जा सकता है।

3 सितंबर 2023 को जी-20 कारकेड रिहर्सल

जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल दिनांक 3 सितंबर, 2023 को प्रातः 08.00 बजे से की जाएगी। पहली रिहर्सल सुबह 8 बजे से 9 बजे तक होगी। दूसरी सुबह 9.30 बजे से 10.30 बजे तक और तीसरी, 12.30 बजे से 16.00 बजे तक होगी। इन रिहर्सल के चलते इन मार्गों पर ट्रैफिक को रेगुलेट किया जाएगा। ये मार्ग है- महात्मा गांधी मार्ग, आईपी फ्लाईओवर, राजघाट चौक, शांति वन चौक, सलीमगढ़ बाईपास भैरों रोड-रिंग रोड, मथुरा रोड, शेरशाह रोड, सी-हेक्सागन R/A मानसिंह रोड, गोलचक्कर एमएलएनपी, गोलचक्कर गोल मेथी, गोलचक्कर जीकेपी, गोलक्कर तीन मूर्ति, 11 मूर्ति गोलचक्कर कौटिल्य, सरदार पटेल मार्ग-कौटिल्य मार्ग गोलचक्कर यशवंत प्लेस, सरदार पटेल मार्ग-पंचशील मार्ग, जनपथ-कर्तव्यपथ, जाकिर हुसैन मार्ग-सुब्रमण्यम भारती मार्ग गोलचक्कर विंडसर प्लेस, गोलचक्कर ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग, टॉलस्टॉय मार्ग-जनपथ, गोलचक्कर सत्य मार्ग/शांतिपथ विवेकानंद मार्ग, बाराखंभा रोड रेड लाइट गोलचक्कर ए क्लैरिज, मोती बाग फ्लाईओवर के नीचे लोधी फ्लाईओवर के नीचे, प्रेस एन्क्लेव रोड-लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, चिराग दिल्ली फ्लाईओवर के नीचे, जोसेफ टीटो मार्ग-सिरी फोर्ट रोड।

हिंडन एयरपोर्ट से देहरादून और लुधियाना के लिए उड़ान छह सितंबर से, ऑनलाइन बुक किए जा रहे हैं टिकट

इसके लिए कंपनी ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू कर दी है। लंबे समय से लोग हिंडन से सर्विसेज शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। आठ माह बाद अब छह सितंबर से दोनों शहरों के लिए 20-20 सीटर विमान उड़ान भरेंगे।

नई दिल्ली। हिंडन एयरपोर्ट से लुधियाना और देहरादून के लिए बिग छह सितंबर से फ्लाई एविएशन कंपनी की ओर से उड़ान शुरू की जा रही है। इसके लिए कंपनी ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू कर दी है। लंबे समय से लोग हिंडन से सर्विसेज शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। आठ माह बाद अब छह सितंबर से दोनों शहरों के लिए 20-20 सीटर विमान उड़ान भरेंगे।

पिछले दो महीने से कंपनी द्वारा फ्लाइट शुरू करने पर विचार किया जा रहा था। पिछले हफ्ते ही यहां पर फ्लाइट का ट्रायल किया गया था, जिसके बाद अब सर्विसेज शुरू की गई हैं। एयरपोर्ट निदेशक सरस्वती वेंकटेश ने बताया की उन्हें भी बुधवार को ही एविएशन कंपनी द्वारा 1 सितंबर से उड़ान शुरू किए जाने की सूचना दी गई।

टिकट बुक का करने का पूरा डिटेल कंपनी की वेबसाइट पर मौजूद है। बताया जा रहा है कि 17 सितंबर से भटिंडा और पिथौरागढ़ के लिए विमान सेवा शुरू की जाएगी। हिंडन एयरपोर्ट पर कोरोना के बाद से ही कोई विमान सेवा ठीक से नहीं चली है। पिथौरागढ़ के लिए साल 2019 में विमान सेवा शुरू हुई थी। लेकिन कोरोना के कारण इन सेवाओं को बंद करना पड़ा। कोरोना के बाद हुबली और कालबुर्गी के लिए उड़ान सेवा शुरू हुई। वहीं 25 जनवरी को यहां से अंतिम उड़ान कलबुर्गी के लिए भरी गई थी।

इस फ्लाइट को डीजीसीए से अनुमति मिल चुकी है। यह फ्लाइट देहरादून से टेक ऑफ कर करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद हिंडन एयरपोर्ट पर लैंड करेगी। हिंडन से हवाई यात्रियों को लेकर हिंडन से लुधियाना (पंजाब) को उड़ान भरेगी। पंजाब से हवाई यात्रियों को लेकर यह फ्लाइट वापस हिंडन एयरपोर्ट आएगी और हिंडन से फिर देहरादून एयरपोर्ट पर लैंड करेगी।

फ्लाई बिग कंपनी सप्ताह में पांच दिन बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को हिंडन एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरेगी। फ्लाइट सुबह 8:10 बजे देहरादून से टेक ऑफ करेगी। दोपहर 1:50 बजे हिंडन से वापस होकर एयरपोर्ट पर लैंड होगी। फ्लाई बिग का विमान पिछले 30 जून से एयरपोर्ट पर खड़ा है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

कौन हैं रेलवे बोर्ड की पहली महिला चेयरपर्सन जया वर्मा सिन्हा

ओडिशा रेल हादसे की जांच में निभाया था बड़ा रोल

भारतीय रेलवे की पहली महिला चेयरपर्सन और सीईओ बनने जा रही हैं जया वर्मा सिन्हा। उन्होंने अपने 35 साल के करियर में रेलवे के अहम पदों पर काम किया है और वे भारतीय रेलवे की तेजतर्रार महिला ऑफिसरों में हैं। सिन्हा कोरोमंडल एक्सप्रेस हादसे के दौरान अच्छी प्रशंसा पाई थी और उन्होंने इस हादसे के बाद स्थिति को संभाला था। उन्हें फोटोग्राफी और पशु-पक्षियों का शौक है।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रेलवे बोर्ड में बड़ा बदलाव किया है। पहली बार किसी महिला को रेलवे बोर्ड की कमान सौंपी गई है। 105 साल में ये पहला मौका है जब रेलवे बोर्ड की कमान एक महिला के हाथों में सौंपी गई है। अपाइंटमेंट कमेटी ऑफ दे कैबिनेट सेक्रेटेरिएट की ओर से आज इसकी जानकारी दी गई है। जिसमें कहा गया है कि जया वर्मा सिन्हा रेलवे बोर्ड को चेयरमैन और सीईओ रेलवे बोर्ड के पद पर नियुक्ति होंगी। उनका कार्यकाल 31 अगस्त 2024 तक लागू रहेगा। आपको बता दें कि बालासोर में हुए कोरोमंडल एक्सप्रेस हादसे के दौरान जया वर्मा सिन्हा के काम की काफी सराहना की गई थी। जिस तरह से उन्होंने रेल हादसे के बाद राहत बचाव से लेकर जांच की बागडोर को संभाला उसकी काफी सराहना की गई। हादसे के बाद से वो लगातार पीएमओ से लेकर मीडिया के संपर्क में रहीं। अब जया वर्मा सिन्हा रेलवे बोर्ड की पहली महिला चेयरपर्सन और सीईओ बनने जा रही हैं।

कौन हैं जया वर्मा सिन्हा

भारतीय रेलवे की अधिकारी जया वर्मा सिन्हा 1988 बैच में आईआरटीएस अधिकारी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1990 में की थी। उनकी नियुक्ति उत्तर रेलवे में कानुपर के अस्सिटेंट एरिया मैनेजर के तौर पर हुई थी। उन्होंने 35 साल के अधिक का वक्त दक्षिण पूर्व रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्व रेलवे में अहम पदों पर बिताया है। करीब 4 साल तक वो ढाका में भारतीय उच्चायोग में रेलवे सलाहकार के तौर पर कार्यरत रही हैं। उनकी गिनती तेजतर्रार महिला ऑफिसरों में होती हैं। रेलवे के कई अहम पदों पर पहुंचने वाली वे इकलौती महिला हैं। जया वर्मा सिन्हा ने अपनी शुरूआती पढ़ाई इलाहाबाद के सैंट मैरी कांवेंट स्कूल से की थी। हायर एजुकेशन इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से हुई। कानपुर में रेलवे ज्वाइन करने के बाद वो फ्रंटलाइन ऑफिसर के तौर पर काम करती रही है। रेलवे की नौकरी के अलावा उन्हें फोटोग्राफी का शौक है। उन्हें पशु-पक्षियों के लगाव है।

" भारतीय रेलवे की अधिकारी जया वर्मा सिन्हा 1988 बैच में आईआरटीएस अधिकारी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1990 में की थी। उनकी नियुक्ति उत्तर रेलवे में कानुपर के अस्सिटेंट एरिया मैनेजर के तौर पर हुई थी। उन्होंने 35 साल के अधिक का वक्त दक्षिण पूर्व रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्व रेलवे में अहम पदों पर बिताया है। करीब 4 साल तक वो ढाका में भारतीय उच्चायोग में रेलवे सलाहकार के तौर पर कार्यरत रही हैं।

तुम्हारी हंसी कभी नई सुन पाऊंगी... भाई की यादों में खोई सुशांत की बहन, रक्षा बंधन पर शेयर की इमोशनल वीडियो

उन्होंने पोस्ट के जरिए बताया कि वह अपने भाई को कितना ज्यादा याद करती हैं। श्वेता सिंह कीर्ति ने अपने पोस्ट में लिखा- 'कभी लगता है तुम कहीं नहीं गए, तुम तो यहीं हो। कभी लगता है अब क्या मैं तुम्हें कभी नहीं देख पाऊंगी, तुमसे कभी बात नहीं कर पाऊंगी। तुम्हारी हंसी, तुम्हारी आवाज कभी नई सुन पाऊंगी।'

हर बहन चाहती है कि उसके भाई की उम्र बेहद लंबी हो। तभी तो रक्षाबंधन के मौके पर बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर प्रभु से उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। हालांकि बहुत सी ऐसी बहनें हैं जो अपने भाईयों को खो चुकी हैं, ऐसे में उनके लिए इस दर्द को भूल पाना आसान नहीं है। दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत बहनें भी इस दर्द से गुजर रही हैं, जिन्होंने तीन साल पहने अपने एकलौते भाई को हमेशा के लिए खो दिया था।

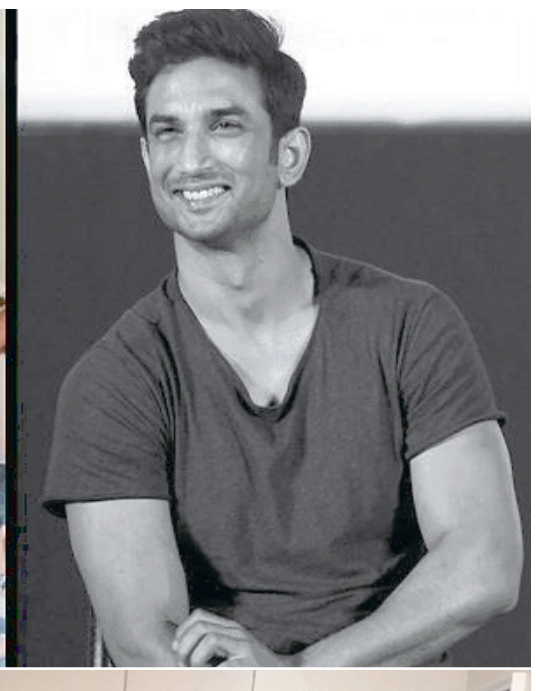

भले ही सुशांत को इस दुनिया से गए कई साल हो गए हैं, लेकिन उनका परिवार उन्हें कभी भूल नहीं पाया है। वह मौका लगते ही सुशांत से जुड़ यादें शेयर करते रहते हैं। अब रक्षाबंधन के मौके पर सुशांत की बहन श्वेता सिंह ने अपने भाई से जुड़ी यादों का पिटारा खोल दिया। उन्होंने पोस्ट के जरिए बताया कि वह अपने भाई को कितना ज्यादा याद करती हैं। श्वेता सिंह कीर्ति ने अपने पोस्ट में लिखा- 'कभी लगता है तुम कहीं नहीं गए, तुम तो यहीं हो। कभी लगता है अब क्या मैं तुम्हें कभी नहीं देख पाऊंगी, तुमसे कभी बात नहीं कर पाऊंगी। तुम्हारी हंसी, तुम्हारी आवाज कभी नई सुन पाऊंगी।' वह आगे लिखती हैं- तुम्हें खोने का दर्द, मैं इसे किसी के साथ शेयर करना भी चाहूं तो नहीं कर सकती। ये मेरे दिल के बहुत करीब है और कुछ ऐसा है जो इतना करीब है कि आपको इसे बताने के लिए शायद ही शब्द मिलें। दर्द हर गुजरते दिन के साथ गहरा होता जा रहा है। इस भौतिक संसार की क्षणभंगुर प्रकृति को उजागर कर रहा है। एकमात्र समाधान ईश्वर है। सुशांत की बहन ने आगे लिखा- भाई, जल्द ही तुम्हें दूसरी तरफ देखूंगी, जब तक कि मैं भी एंटरटेन करने या प्रेरित करने वाली कहानी न बन जाऊं। तुम्हारी कलाई पर राखी बांधती हूं और प्रार्थना करती हूं कि आप जहां भी हों, शांति और आनंद में रहें। बहुत लंबा! प्यार से। गुड़िया दी।' इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी शेयर की है, जिसमें श्वेता के साथ सुशांत को देख सकते हैं।

इस वीडियो में बचपन में रक्षा बंधन मनाने से लेकर श्वेता की शादी में भाई होने का फर्ज निभाने तक की कई यादगार और भावुक पलों की झलकियां देखी जा सकती हैं। इस वीडियो ने सुशांत के फैंस को भी भावुक कर दिया है, उनका कहना है कि राजपूत हमेशा उनके दिल में है। एक फैन ने सुशांत की बहन को हौंसला देते हुए लकखा-, 'वो शांति में है, लेकिन हां वो आप सभी के साथ है... आपको देख रहा है। हंस रहा है।

दिलीप कुमार को राखी बांधती थी लता मंगेशकर, सायरा बानो ने बताया गायिका को क्या मिलता था गिफ्ट में

बॉलीवुड अभिनेत्री सायरा बानो का कहना है कि उनके पति दिलीप कुमार और लता मंगेशकर के बीच भाई-बहन जैसा रिश्ता था और दोनों हर साल रक्षा बंधन पर मिला करते थे। सायरा बानो ने रक्षाबंधन के मौके पर अपने दिवंगत पति दिलीप कुमार और लता मंगेशकर के बीच के कुछ पलों के बारे में फैंस को बताया है।

सायरा ने बताया कि दोनों के बीच भाई-बहन जैसा रिश्ता था और अपनी कार्य प्रतिबद्धताओं में व्यस्त होने के बावजूद दोनों हर रक्षाबंधन पर मिलते थे। सायरा बानु ने दिलीप कुमार और लता की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा-, भारतीय सिनेमा के कोहिनूर दिलीप साहब और भारतीय संगीत उद्योग की स्वर कोकिला लता मंगेशकर के बीच अपने शानदार स्टारडम की चकाचौंध से परे एक रिश्ता था।

सायरा ने आगे लिखा- एक यात्रा के दौरान दिलीप साहब ने लताजी से उर्दू के सही उच्चारण के महत्व का जिक्र किया और कहा कि कैसे नुक्ता जैसी एक सरल चीज भी शब्दों को सुंदर बना देती है... हर मायने में एक आज्ञाकारी बहन लताजी ने उनकी सलाह पर ध्यान दिया और एक उर्दू पढ़ाने वाले की सहायता ली।फिल्मी दुनिया के दोनों दिग्गजों के बीच का बंधन 'आखिर तक' बरकरार रहा।

अभिनेत्री ने आगे बताया- लताजी अक्सर दिलीप साहब से मिलने हमारे घर आती थीं और वे दोपहर का खाना या रात का खाना एक साथ खाते थे। पिछली बार जब वह यहां आई थीं, तो उन्होंने प्यार से दिलीप साहब को अपने हाथों से खाना खिलाया था। एक्ट्रेस ने ये भी बताया है कि वह हर साल रक्षाबंधन पर लता मंगेशकर को एक साड़ी उपहार में देती थीं।

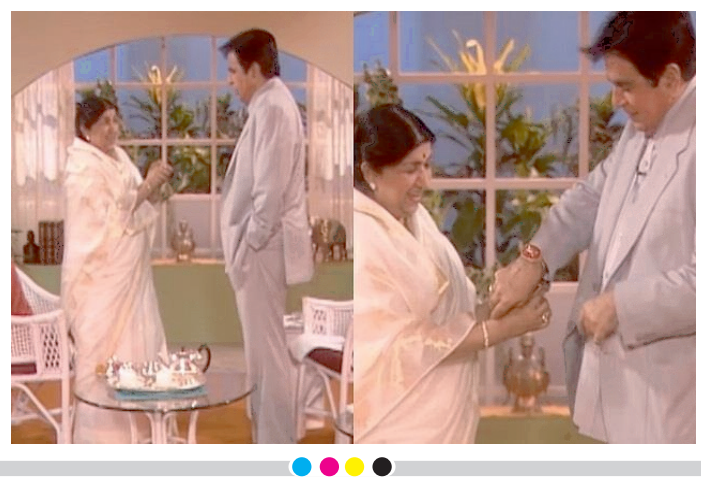

बिना खीरे के क्यों अधूरी मानी जाती है जन्माष्टमी की पूजा?

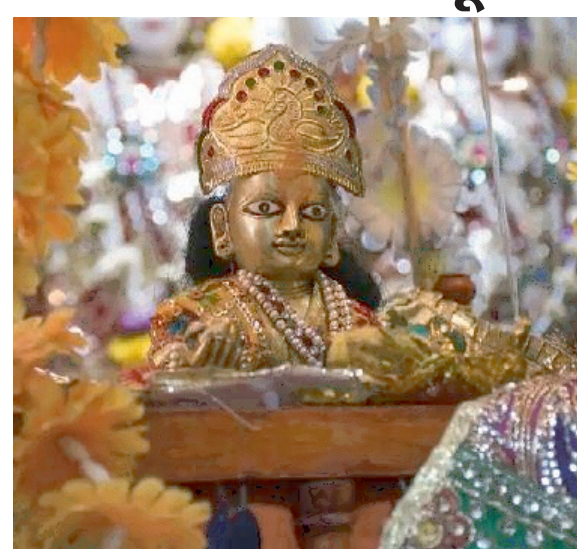

कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु ने धरती पर रहने वाले लोगों को कंस के अत्याचारों से मुक्ति दिलवाने के लिए श्रीकृष्ण के रुप में आठवां अवतार लिया था। इसलिए हर साल इस दिन जन्माष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म रात्रि में हुआ था इसलिए जन्माष्टमी की पूजा रात में की जाती है। इस दिन श्रीकृष्ण का श्रृंगार, भोग के साथ पूजा में कई चीजें अर्पित की जाती है। श्रीकृष्ण की पूजा में खीरा भी जरुर इस्तेमाल होता है। मान्यताओं के अनुसार, खीरे के बिना जन्माष्टमी का त्योहार अधूरा माना जाता है। लेकिन खीरे का जन्माष्टमी की पूजा में इस्तेमाल क्यों होता है आज आपको इस बारे में बताएंगे। तो चलिए जानते हैं....

पूजा में क्यों इस्तेमाल होता है खीरा?

जन्माष्टमी की पूजा में लोग श्रीकृष्ण को खीरा जरुर अर्पित करते हैं। जन्माष्टमी वाले दिन ऐसा खीरा भोग के रुप में इस्तेमाल होता है जिसमें थोड़ा डंठल और पत्तियां हो मान्यताओं के अनुसार, इससे श्रीकृष्ण खुश होते हैं और भक्तों के सारे दुख हर लेते हैं।

बिना खीरे के अधूरी होती है पूजा

इस दिन खीरा का प्रयोग इसलिए किया जाता है क्योंकि माना जाता है कि जब बच्चा पैदा होता है तो उसे मां से अलग करने के लिए गर्भनाल काटी जाती है वैसे ही जन्माष्टमी वाले दिन खीरे को डंठल को काटकर अलग किया जाता है। इसे भगवान श्रीकृष्ण को मां देवकी से अलग करने का प्रतीक माना जाता है ऐसा करने के बाद ही पूर विधि-विधान के साथ जन्माष्टमी की पूजा शुरु की जाती है।

नाल छेदन के रुप में जाना जाता है यह रिवाज

खीरे को काटने की इस प्रक्रिया को नाल छेदन कहते हैं। जन्माष्टमी के दिन पूजा के दौरान खीरे को भगवान श्रीकृष्ण के पास रख दें। इसके बाद जैसे ही रात में 12 बजे श्रीकृष्ण का जन्म हो उसके तुरंत बाद सिक्के की सहायता से खीरा और डंठल बीच में से काटकर श्रीकृष्ण का जन्म करवाएं। फिर शंख बजाकर बाल गोपाल जी के आने की खुशियां मनाएं और पूरे विधि-विधान के साथ पूजा करें।

पूजा के बाद कैसे इस्तेमाल करें खीरा

कान्हा का जन्म हो जाने के बाद ज्यादातर लोग खीरे को प्रसाद के तौर पर बांट देते हैं इसके अलावा कई जगहों पर इसे नई विवाह वाली लड़कियों और गर्भवती महिलाओं को खिलाया जाता है। माना जाता है कि इससे नई विवाह वाली लड़कियों या गर्भवती महिलाओं को खीरा खिलाने से उन्हें श्रीकृष्ण जैसे बेटे की प्राप्ति होती है।

रक्षाबंधन पर मेट्रो में हवस में अंधा हुआ युवक

लड़की के पीछे की घिनौनी हरकत

परिवहन विशेष न्यूज

आरोपी की हरकत को सहयात्रियों ने भी देख लिया, उन्होंने उसे पकड़कर शाहदरा स्टेशन पर मेट्रो अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

राजधानी दिल्ली की लाइफ लाइन कही जाने वाली मेट्रो में एक बार फिर शर्मनाक मामला सामने आया है। मेट्रो के अंदर एक युवक ने लड़की के साथ गंदी हरकत की। मामले को लेकर पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली मेट्रो के अंदर जा रही लड़की के साथ अश्लील हरकत करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी युवक ने मेट्रो के अंदर न सिर्फ लड़की के साथ आपत्तिजनक हरकत की बल्कि उसकी करतूत से उसके कपड़े भी खराब हो गए थे। मामला बुधवार शाम करीब 8.30 बजे का बताया जा रहा है। इससे पहले बीते 7 अगस्त को मंडी हाउस स्टेशन पर भी युवती के साथ आपत्तिजनक हरकत का मामला सामने आया था।

पुलिस के मुताबिक, रक्षाबंधन को लेकर मेट्रो में काफी भीड़ थी, इसी बात का फायदा उठाते हुए आरोपी मोजम्मल हुसैन (28) पुत्र महिदुर रहमान निवासी शास्त्री पार्क, दिल्ली ने पीछे से अश्लील हरकत शुरू कर दी। लड़की की मां को जब इस पूरे मामले की जानकारी हुई तो वह बेटी के साथ अगले स्टेशन पर उतर गईं। इस बीच आरोपी की हरकत को सहयात्रियों ने भी देख लिया, उन्होंने उसे पकड़कर शाहदरा स्टेशन पर मेट्रो अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

स्टेशन नियंत्रक देवेंदर सिंह ने लिखित शिकायत दी है, जिसमें बताया है कुछ यात्री शाहदरा में उनके पास आए और कहा कि एक यात्री एक लड़की के पीछे आपत्तिजनक हरकत कर रहा था। मोजम्मल हुसैन के खिलाफ आईपीसी 354A/294 के तहत मामला दर्ज किया गया है। लड़की के बयान लेने के लिए उसकी तलाश की जा रही है लेकिन अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है और न ही उसका पता चला है।

मंडी हाउस स्टेशन पर खड़ी लड़की को देखकर की थी अश्लील हरकत

इससे पहले 7 अगस्त को मंडी मेट्रो स्टेशन पर खड़ी लड़की को देखकर युवक द्वारा अश्लील हरकत का मामला सामने आया था। युवती ने सोशल मीडिया के जरिए बताया था कि 7 अगस्त को वह तुगलकाबाद मेट्रो स्टेशन से ट्रेन में सवार होकर मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन पहुंची थी। वहां प्लेटफार्म नंबर एक पर अपने दोस्त के आने का इंतजार करने लगी थी, तभी प्लेटफार्म नंबर दो पर खड़े एक युवक ने उसे देखकर अश्लील हरकत की थी।

पीड़िता ने स्टेशन पर मौजूद सीआईएसएफ कर्मियों से शिकायत की थी। वह सुरक्षा कर्मियों को लेकर प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंची थी। तब तक आरोपी मेट्रो में सवार होकर फरार हो गया था। बाद में पुलिस ने आरोपी राजीव नगर निवासी शिवम शर्मा को प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

दिल्ली दंगा मामला: कोर्ट में पुलिस को लगी फटकार, जज बोले- सीडीआर का पूरा सेट करें

अदालत ने सोमवार को पारित एक आदेश में कहा कि जांच के दौरान सीडीआर का पूरा सेट नहीं रखा गया। सीडीआर के ऐसे सेट में से केवल दो शीट ही मिलीं हैं। पूरी सीडीआर अदालत के समक्ष पेश की जाए।

दिल्ली में 2020 में हुए दंगों से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही एक सत्र अदालत ने पुलिस प्रमुख से कहा है कि वे सभी जांच अधिकारियों यानी आईओ को कॉल डिटेल वाले मामलों में मोबाइल फोन सेवा प्रदाताओं के नोडल अधिकारियों को गवाह बनाने के बारे में संवेदनशील बनाएं। कॉल डिटेल रिकॉर्ड यानी सीडीआर अदालत के समक्ष पेश की जाए।

पुलिस आयुक्त से आईओ को सीडीआर का पूरा सेट अदालत के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला ने गोकुलपुरी पुलिस स्टेशन द्वारा दर्ज 2020 दंगों के मामले की सुनवाई कर रहे थे। जो अभियोजन साक्ष्य के चरण में था। अभियोजन पक्ष ने पहले 19 मोबाइल फोन नंबरों के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए थे। जिसके बाद एक सेवा प्रदाता के नोडल अधिकारी से अभियोजन गवाह के रूप में पूछताछ की गई।

जानकारी के लिए बता दें कि अदालत ने सोमवार को पारित एक आदेश में कहा कि जांच के दौरान सीडीआर का पूरा सेट नहीं रखा गया। सीडीआर के ऐसे सेट में से केवल दो शीट ही मिलीं हैं। पूरी सीडीआर अदालत के समक्ष पेश की जाए।

कैंसर का इलाज सात मिनट में इंजेक्शन तैयार

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। भारत समेत दुनियां भर में कैंसर की बिमारी ने तहलका मचा रखा है। भारत की नई उभरती पीढी तंबाकू, गुटका, सिगरेट, जैसी घातक जानलेवा बीमारियों के मकड जाल में फंसती जा रहा है। इनमें गले, मुंह, फेफड़े, स्तन के कैंसर की तादाद दिन-ब-दिन बढती जा रही है। सरकार ने भी ऐसे घातक प्रोडेक्ट पर बैन लगाने की बजाए सिर्फ कवर पर वैधानिक चेतावनी के साथ यह लिखवाकर अपना पिंड छुडा लिया, कि इसका सेवन सेहत के लिए हानिकारक है। मगर इंग्लैंड ने कैंसर का तोड निकाल लिया है। इंग्लैंड ने एक ऐसा इंजेक्शन बनाया है कि जिससे महज 7 मिनट के अंदर कैंसर छूमंतर का दावा किया गया है। इस बावत स्वास्थ्य नियामक संस्था से मान्यता मिल जाने के बाद इंग्लैंड का नैशनल हैल्थ सर्विस (एनएचएस) पहला ऐसा हैल्थ सिस्टम बन जाएगा जो हर साल सैंकडों मरीजों पर इस इंजेक्शन का इस्तेमाल कर सकेगा।

दिल्ली वक्फ बोर्ड की 123 संपत्ति केन्द्र करेगी टेक ओवर, नोटिस जारी

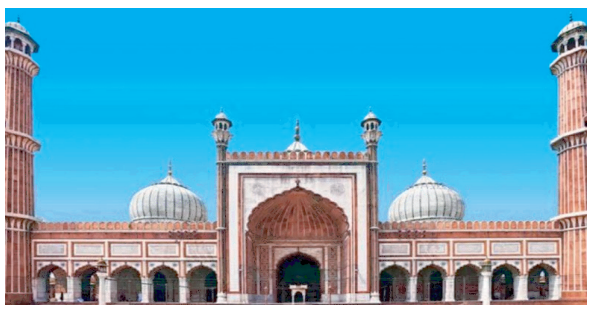

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। दिल्ली वक्फ बोर्ड की सारी संपत्तियों को केन्द्र की मोदी सरकार टेक ओवर करने जा रही है। इस बावत केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय ने बाकायदा नोटिस तक जारी कर दिया है। शुरूआत में 123 संपति का जिक्र है। इनमें, मस्जिदें, जिनमें एतिहासिक जामामस्जिद समेत दरगाह और कब्रिस्तान शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि अप्रैल में केन्द्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया था कि 1911 से 1914 के बीच उसने दिल्ली वक्फ बोर्ड के दावे वाली 123 संपत्तियों का अधिग्रहण किया था। वक्फ बोर्ड को जामामस्जिद मनमोहन सिंह सरकार के समय सौंपी गई थी। इस साल की शुरुआत में आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के भूमि एवं विकास कार्यालय (एलऐंड डीओ), ने दो सदस्यीय समिति की रिपोर्ट के आधार पर बोर्ड से 123 संपतियों को अपने हाथों मे लेने की शुरूआत का मोदी सरकार ने फैसला कर लिया है।। जिसमें मस्जिदें, दरगाह, कब्रिस्तान शामिल है।

काला जठेड़ी गैंग पर एक्शन: दिल्ली में बिल्डर के घर पर फायरिंग करने वाला शूटर गिरफ्तार, मांगी थी प्रोटेक्शन मनी

नईदिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दो करोड़ रुपये की प्रोटेक्शन मनी नहीं देने पर फायरिंग करने वाले शूटर को गिरफ्तार किया है। शार्पशूटर अक्षय मलिक उर्फ नन्हा (28) काला जठेड़ी-नरेश सेठी गैंग का सदस्य है। इसने अपने साथियों के साथ दो करोड़ रुपये की प्रोटेक्टेशन मनी नहीं देने पर सेक्टर-७ द्वारका में बिल्डर के घर पर कई राउंड फायरिंग की थी। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (स्पेशल सेल) एचजीएस धालीवाल ने बताया कि एसीपी वेदप्रकाश की टीम को अपराधी सोनीपत, हरियाणा निवासी अशोक मलिक उर्फ नन्हा पुत्र स्वर्गीय थंबू मलिक में सूचना मिली थी, जो कि काला जठेड़ी-नरेश सेठी गिरोह में हाल ही भर्ती किया गया था।

एसीपी वेदप्रकाश की देखरेख में इंस्पेक्टर पूरनपंत, रवि तुषीर, इंस्पेक्टर कुलवीर और विक्रम की टीम ने सेक्टर 9, रोहिणी दिल्ली में घेराबंदी कर अशोक मलिक को पकड़ लिया गया। पुलिस ने उसे आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी थी। आरोपी ने आत्मसमर्पण करने की बजाय भागने के लिए पिस्तौल निकाली और गोली चलाने की कोशिश की। इसके कब्जे से एक पिस्तौल और .315 बोर के तीन कारतूस बरामद किये।

गैंगस्टर के शार्पशूटर का कहानी

12वीं कक्षा तक पढ़ाई आरोपी अशोक मलिक उर्फ नन्हा अविवाहित है। जब वह 15 वर्ष का था। उसी समय उसके माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई। परिवार का उस पर कोई नियंत्रण न होने के कारण उसने स्कूल छोड़ दिया और बुरी संगत में पड़ गये। उसका बचपन का दोस्त विकास, जो उसी के गांव का है, पहले से ही काला जठेड़ी-नरेश सेठी गैंग का सदस्य था और इस वजह से उसका गांव में आतंक है। आरोपी अशोक मलिक उर्फ नन्हा भी अपने गांव में आतंक फैलाना चाहता था, इसलिए वह विकास के माध्यम से काला जठेड़ी और नरेश सेठी के गिरोह में शामिल हो गया।

अरविंदर सिंह लवली बने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, खडगे ने खेली ब्लांईड चाल- तजुर्बा काम का

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नईदिल्ली। साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी पुराने बर्तनों में कली करवा कर चमकाने में लगी है। इसी कडी में बडा दांव खेलते हुए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर अरविंद सिंह लवली को नियुक्त कर दिया है। अभी तक ये जिम्मेदारी अनिल चौधरी के पास थी। लवली तत्काल प्रभाव से पार्टी के अध्यक्ष होंगें। बता दें लवली शीला दीक्षित सरकार में शिक्षा मंत्री रह चुके हैं। लवली को मल्लिकार्जुन खडगे की सहमति से अध्यक्ष बनाए जाने का लेटर केसी वेणुगोपाल ने जारी कर दिया है।दरअसल खड़गे ने लवली को दिल्ली प्रदेश की कमान देकर सिख अल्पसंख्यकों को साधने की कोशिश की है। वैसे भी लवली का राजनीतिक एक्सपीरियंस का बडा फैक्टर रहा है।

अरविंदर सिंह लवली ने राजनीतिक की शुरूआत साल 1990 के दशक में यूथ कांग्रेस से की थी। वह 1992से 1996 तक एनएसयूआई के राष्ट्रीय महासचिव भी रहे। 1998 में पहली बार दिल्ली के गांधी नगर सीट से विधायक चुने गए। वह 2003,2008, और 2013 में भी विधायक रहे। इसके अलावा 2013 में भी वह दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भी रह चुके हैं। लवली बीच में कांग्रेस की लगातार हार से उकता कर बीजेपी में चले गए थे। लेकिन कुछ समय बाद ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी में वापसी कर ली थी। उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को बनाकर खड़गे ने तगडा पासा फेंक दिया है।

ज्वेलर को कॉल कर मांगी रंगदारी, रुपये न देने पर मारने की धमकी

नईदिल्ली। उत्तर दिल्ली के कोतवाली इलाके में ज्वेलर को जान से मारने की धमकी देकर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने खुद को अमन साहू गैंग का सदस्य बताकर पीड़ित से रुपयों की मांग की। रुपये न देने पर उसे या उसके परिवार के एक सदस्य को गोली मारने की धमकी दी। घटना के बाद मामले की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस सीडीआर की मदद से आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। आरोपियों ने तीन दिन पहले भी इसी तरह कॉल कर रकम मांगी थी। जानकारी के अनुसार, पीड़ित ज्वेलर परिवार के साथ पुरानी दिल्ली इलाके में रहता है। कूचा महाजनी, चांदनी चौक इलाके में ज्वेलरी की दुकान है। बुधवार दोपहर के समय यह अपनी शॉप पर मौजूद था। उसी दौरान मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉलर ने खुद को अमन साहू गैंग का सदस्य बताया। बाद में वह पीड़ित से पांच लाख रुपये की डिमांड करने लगा।

जी-20 : जीबी पंत में 10 कक्ष आरक्षित, 8 बेड का आईसीयू वार्ड तैयार

नईदिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए दिल्ली सरकार का जीबी पंत अस्पताल तैयार है। अस्पताल में दस कक्ष आरक्षित किए गए हैं। साथ ही आठ आईसीयू बेड भी तैयार हैं। बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज जीबी पंत अस्पताल में विदेशी मेहमानों के लिए की जा रही स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे। दिल्ली सरकार के पांच अस्पतालों में मेहमानों को सुविधा मिलेगी।

सौरभ भारद्वाज ने बताया कि जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए जीबी पंत में एक स्पेशल आईसीयू का निर्माण किया गया है। इसमें 8 आईसीयू बेड की व्यवस्था की गई है। यह पूरी तरह से आपातकाल स्थिति में विदेशी मेहमानों के लिए आरक्षित रहेंगे। साथ ही 10 स्पेशल रूम भी आरक्षित किए गए हैं। इनमें 24 घंटे प्रशिक्षित डॉक्टर सहित स्वास्थ्य कर्मियों को नियुक्त किया गया है। यहां पर विदेशी मेहमानों को हर प्रकार की जरूरी सुविधा मिलेगी। भारद्वाज ने कहा कि अस्पताल के अंदर विशेष इमरजेंसी विभाग का इंतजाम किया गया है। यह पूरी तरह से विदेशी मेहमानों के लिए आरक्षित रहेगी। अस्पताल पूरी तरह से हाई अलर्ट पर रखा गया है, ताकि यदि किसी भी विदेशी मेहमान को किसी प्रकार की कोई परेशानी अचानक से होती है, तो उसे तुरंत प्रभाव से अस्पताल में लाकर उपचार दिया जा सके।

हाई अलर्ट पर स्वास्थ्य विभाग

भारद्वाज ने कहा कि हम कामना करते हैं कि किसी भी विदेशी मेहमान को अस्पताल की जरूरत न पड़े। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग हाई अलर्ट पर है। पांच अस्पताल जी-20 समिट के लिए चिन्हित किए गए हैं, उन सभी अस्पतालों में विदेशी मेहमानों के लिए अलग व्यवस्था की गई है कि यदि किसी को भी किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होती है तो तुरंत नजदीकी अस्पताल में ले जाकर उसे उपचार दिया जा सके।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हत्याकांड के मास्टरमाइंड मोहम्मद समीर उर्फ माया को सीमापुरी इलाके से उसे गिरफ्तार किया गया

दिल्ली का 'माया गैंग': इस फिल्म ने खराब किया समीर का दिमाग, खुद को समझने लगा था माया भाई; नाम से 302 भी जोड़ा

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हत्याकांड के मास्टरमाइंड मोहम्मद समीर उर्फ माया को सीमापुरी इलाके से उसे गिरफ्तार किया गया है। इस पर पहले से चार मर्डर के केस हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली में बीते मंगलवार की देर रात अमेजन कंपनी के मैनेजर हरप्रीत गिल की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपी मोहम्मद समीर उर्फ माया और बिलाल गनी उर्फ मालू को गिरफ्तार किया है। 36 साल के मृतक हरप्रीत गिल भजनपुरा में गली नंबर 1 में रहते थे।

उत्तर-पूर्वी जिला के पुलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि इस हत्याकांड में शामिल बिलाल गनी उर्फ मल्लू को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को रात करीब दो बजे सिग्नेचर ब्रिज के पास से पकड़ा गया। 29 अगस्त को गिरफ्तार आरोपी अपने चार अन्य साथियों के साथ मृतक और घायल व्यक्ति के साथ रोड रेज में शामिल था। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है।

कौन है समीर उर्फ माया

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हत्याकांड के मास्टरमाइंड मोहम्मद समीर उर्फ माया को सीमापुरी इलाके से उसे गिरफ्तार किया गया है। इस पर पहले से चार मर्डर के केस हैं। हालांकि इससे पहले के मामलों में ये नाबालिग था। 27 अगस्त यानी चार दिन पहले ही ये 18 साल का हुआ है। इस पर शुरू से ही डॉन बनने का भूत सवार रहा है। पागलपन ऐसा है कि धौंस जमाने के लिए मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो पोस्ट करता है। मोहम्मद समीर उर्फ माया ने अपने इंस्टाग्राम बायो में 'नाम बदनाम, पता कब्रिस्तान, उमर जीने की शौक मरने का' लिखा हुआ है। वह अपने गैंग को माया गैंग कहता है। साथ ही खुद को 'माया भाई'।

विवेक ओबेरॉय की फिल्म शूट आउट एट लोखंडवाला से हुआ प्रभावित

करीबी बताते हैं समीर ने कुछ साल पहले विवेक ओबेरॉय की फिल्म शूट आउट एट लोखंडवाला केबल टीवी पर देखी थी और तभी से उस पर विवेक ओबेरॉय के कैरेक्टर माया का जुनून सवार हो गया। वह खुद को माया भाई कहलवाने लगा। उसने अपने इंस्टाग्राम आईडी का नाम भी किंग_माया_302 कर लिया था। इसमें आखिर के तीन नंबर (302) की कहानी हत्या के मामले में लगने वाली आईपीसी की धारा है।

समीर ने सभी को चौंकाया

ऐसे इलाके में जहां इरफान छेनू, नासिर और हाशिम बाबा जैसे अनुभवी गैंगस्टरों ने एक दशक से अधिक समय से किसी भी दूसरे गिरोह को इलाके में पनपने नहीं दिया है, ऐसे में पूर्वोत्तर दिल्ली के अपराध जगत में समीर के उदय ने कई लोगों को हैरान किया है। कुछ महीनों पहले तक किशोरों का यह गिरोह चलते-फिरते लोगों को लूटता थे। बात बिगड़ने पर फायरिंग करके फरार हो जाते थे। इनकी उम्र 18 साल से कम होने के कारण पुलिस भी कुछ खास कार्रवाई नहीं कर पाती थी और आज ये न केवल पुलिस बल्कि आम लोगों के लिए एक बड़े खतरे तौर पर उभर चुके हैं।

जेलों के बाहर बहनों की कतार, आंखों में आंसू हाथों में पूजा की थाली... कैदी भाईयों को बांधी राखी

देश भर में रक्षा बंधन का पर्व मनाया जा रहा है। इस दौरान जेलों में बंध भाईयों को राखी बांधने के लिए बहनें जेलों में पहुंचीं। जहां उन्होंने जेल प्रशासन की सुरक्षा के बीच भाईयों को राखी बांधी। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में कैदी भाईयों को राखी बांधने पहुंची बहनों की एक लंबी कतार जेल के बाहर एंट्री गेट पर देखने को मिली।

परिवहन विशेष न्यूज

बरेली में जिला और केंद्रीय जेल में सैकड़ों बहनें अपने बंदी भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं। रक्षाबंधन पर दोनों जगह सुबह से ही बहनों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। सेंट्रल जेल प्रशासन ने बंदी भाइयों व उनकी बहनों के लिए विशेष इंतजाम किए।

जिला जेल में भी इस बार भव्य आयोजन किया गया। जेल परिसर के बाहर टेंट और कुर्सियां लगाकर बहनों को बैठाने की व्यवस्था की गई तो अंदर एक हॉल को समारोह की तर्ज पर सजाकर भाई-बहनों को बैठाया गया। बंदी भाइयों के राखी बांधने के दौरान कई बहनें भावुक हो गईं। उन्होंने उनकी रिहाई के लिए कामना की।

शुभ मुहूर्त में कई घरों में बहनों ने भाईयों के कलाई पर राखी बांधी और उनसे रक्षा का संकल्प लिया। इसी बीच गोरखपुर जेल में भी बहनों ने अपने भाईयों को राखी बांधी।

रायबरेली जेल में बंद कैदियों ने बहनों के साथ राखी का त्योहार मनाया। बांधी जा रही राखी को लेकर एक खुशी का माहौल है। जेल प्रशासन की तरफ से पुख्ता इंतजाम किए। इस दौरान जेल के बाहर बहनों की एक लंबी कतार नजर आई।

केंद्रीय कारागार नैनी में बंद भाइयों को राखी बांधने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं। सुबह से ही जेल के बाहर लंबी कतार लग गई थी। मुलाकात तीन शिफ्ट में कराई गई। हर शिफ्ट में तीन से चार सौ महिलाएं शामिल रहीं।

देशभर में रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दौरान चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल में भी बहनों ने भाईयों की कलाई पर राखी बांधी।

जिला जेल में रक्षाबंधन क़े मौके पर बहनों से कारागार मंत्री धर्मवीर प्रजापति बातचीत करते नजर आए। आज रक्षा बंधन के मौके पर कई बहनों जेल में अपने भाईयों को राखी बांधने पहुंची।

पंजाब सरकार व जेल विभाग की हिदायत पर फरीदकोट के केंद्रीय माडर्न जेल में बंद हवालातियों व कैदियों के लिए जेल प्रबंधन द्वारा राखी का पावन त्यौहार मनाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। इस दौरान बड़ी संख्या में बहनों ने जेल में बंद अपने भाइयों को राखी बांधी।

फिरोजाबाद जिला जेल में कैदी भाइयों को रक्षा सूत्र बांधने के लिए बहनें सुबह से ही जेल परिसर में कतार में नजर आईं। जेल में प्रवेश करते समय बहनों पर मुहर लगाई जाती है।

बागपत जेल में क़रीब 600 बंदियों को रखी बांधने उनकी बहन पहुंची। भाई को राखी बांधते हुए कई बहनों की आंखे नम हो गई। बहनों ने भाई को राखी बांधते हुए उनकी लंबी आयु और खुशी की प्रार्थना की तो भइयो ने बहनों की रक्षा का वचन दिया।

देश में रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इसी बीच हल्द्वानी जेल में भाइयों को बहनें राखी बांधने पहुंची।

गाड़ी पर जाति लिखकर बॉडी दिखाते युवक का वीडियो वायरल

कौशांबी। शासन के आदेश के बावजूद ट्रांस हिंडन जोन की सड़कों पर नंबर प्लेट की जगह जातिसूचक शब्द लिखकर नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं। कौशांबी थाना क्षेत्र में होटल रेडिसन ब्लू के पास एक गाड़ी का वीडियो वायरल हुआ है। उस पर नंबर प्लेट की जगह जातिसूचक शब्द लिखा है। डीसीपी ने कौशांबी पुलिस को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। ट्विटर पर एक समाचार पत्र के ट्विटर हैंडिल से दोपहर तीन बजे गाड़ी पर स्टंट करते हुए युवक का वीडियो अपलोड किया गया है। इसमें गाड़ी की नंबर प्लेट की जगह उसकी जाति लिखी है। वहीं युवक चलती गाड़ी में सनरूफ से बाहर निकलकर अपनी टीशर्ट उतरकर सरेआम अंग प्रदर्शन करता नजर आ रहा है। डीसीपी के आदेश पर कौशांबी पुलिस ने गाड़ी और युवकों की तलाश शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश यातायात पुलिस ने भी वीडियो का संज्ञान लेकर यातायात अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मां की बीमारी के बहाने युवक से 2.97 लाख रुपये हड़पे, रिपोर्ट दर्ज

साहिबाबाद। लाजपत नगर में रहने वाले गौरव मिश्रा के साहिबाबाद पुलिस को चंदन पांडेय और मणिकांत शर्मा नाम के युवकों पर पैसे हड़पने का मुकदमा कराया है। आरोप है कि दोनों लोगों ने मां की बीमारी का बहाना बनाकर पैसे हड़पे थे। पुलिस जांच कर रही है। गौरव ने शिकायत दी कि उनके पिता बिहार में नौकरी करते हैं। उसी कार्यालय में चन्दन पांडेय भी काम करता है। एक दिन चन्दन ने उन्हें फोन करके अपनी मां के बीमार होने पर 60 हजार रुपये की आर्थिक मदद ली। उसके बाद अलग-अलग महीनों में उनसे कुल दो लाख 97 हजार रुपये ठग लिए। पैसे मांगने पर आरोपी ने उन्हें धमकी दी। चंदन के पिता मणिकांत शर्मा ने भी फोन पर गाली-गलौज की। साहिबाबाद पुलिस का कहना है कि आरोपियों का पता कर रहे हैं। जल्द पकड़कर कार्रवाई की जाएगी।

दि रॉक बार के बाहर हुई थी कई राउंड फायरिंग, बाउंसर घायल

इंदिरापुरम। शिप्रा चौकी क्षेत्र के आदित्य मॉल में 28 अगस्त की देर रात दि रॉक बार के बाहर हथियारबंद युवकों ने कई राउंड फायरिंग की। तीनों आरोपी दो स्कूटी पर आए थे। घटना के लिए तीनों मॉल के मेन गेट से सुरक्षा गार्ड को जांच कराकर अंदर घुसे और सीढ़ियों के रास्ते क्लब के सामने पहुंचकर ताबड़तोड़ तीन-चार राउंड फायरिंग की। पुलिस को शीशे और फॉरसीलिंग में गोली के निशान मिले हैं। एक गोली बाउंसर राहुल को लगी। वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा था। आरोपी भागते हुए एक स्कूटी छोड़ गए। पुलिस ने स्कूटी और क्लब व मॉल की डीवीआर कब्जे में ली है।

डासना मसूरी के रफीकाबाद निवासी रिजवान का आदित्य मॉल के दूसरे तल पर रॉक क्लब है। रात में कर्मचारी साफ-सफाई कर रहे थे। अचानक तीन युवकों ने सीढ़ियों के रास्ते क्लब के सामने पहुंचकर मेन गेट पर कई राउंड फायरिंग की। गोलियों की आवाज सुनकर वहां मौजूद लोग टेबल के नीचे और सोफे के पीछे छिप गए। टीला शाहबाजपुर गांव का बाउंसर राहुल घायल हो गया। गोली शीशे को पार करती हुए उसकी कमर के नीचे लगी। वहीं बाउंड्री पर लगा शीशा गोली से फूटकर नीचे तल पर जा गिरा। गनीमत रही कि उस जगह कोई नहीं था, वरना बड़ी घटना हो सकती थी। युवकों की फायरिंग के बाद गोली छत की फॉरसीलिंग और सीढ़ियों पर शीशे के गेट में लगी। लोगों की भीड़ बढ़ने पर तीनों एक स्कूटी छोड़कर दूसरी से भाग गए। हैरत की बात है कि मॉल में सुरक्षा गार्ड या किसी ने भी युवकों को पकड़ने का प्रयास नहीं किया।

झगड़े में टूटा लिफ्ट का शीशा, क्लब हुआ शांत :

पता चला कि तीन-चार दिन पहले कुछ युवकों का झगड़ा हुआ था। पुलिस की जांच में आया है कि युवक फायरिंग के बाद जिस स्कूटी को छोड़कर भागे थे। उसे कब्जे में लेकर जांच की। वह दिल्ली से चोरी हुई थी। अब सवाल उठता है कि युवक सरेआम कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ाकर घटना कर जाते हैं और थान-चौकी पर पुलिस को भनक नहीं लगती जबकि लोगों की आवाजाही पर मॉल के बाहर ज्यादातर समय पुलिस पिकेट या लैपर्ड रहती है।

मॉल प्रबंधन ने गार्ड हटाने को किया एजेंसी से सम्पर्क : मॉल प्रबंधक विजय शर्मा ने बताया कि घटना की रात जिन सुरक्षा गार्डों की ड्यूटी थी। उन्हें हटाने के लिए एजेंसी से बात की है। रात 11:30 बजे के बाद प्रवेश बंद कर दिया जाएगा, जबकि रात ढाई बजे तक बाहर जाने का रास्ता भी बंद कर देंगे।

-

डीसीपी शुभम पटेल का कहना है कि घटना में एक स्कूटी कब्जे में ली है। युवकों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीम काम कर रही है। तीनों को जल्द पकड़ लिया जाएगा।

सुबह... धमकी-तेरा रक्षाबंधन बिगाड़ दूंगा, दोपहर में हत्या, CCTV देख बहन बोली- मेरा पति है कातिल

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में मनोज चौधरी की बहन सरिता का कहना है कि फुटेज में नजर आ रहे दो शख्स में एक उनका पति अमित डागर और दूसरा देवर नितिन डागर है। दोनों ने ही हत्या की है। वे दोनों वकील हैं। साजिश में ससुर मदन और दो अन्य अनुज व पालू शामिल हैं। मनोज की पत्नी कविता ने इन लोगों के खिलाफ ही नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

नई दिल्ली। गाजियाबाद की तहसील सदर में बुधवार दोपहर करीब दो बजे दो नकाबपोश हमलावरों ने चैंबर में घुसकर वकील मनोज चौधरी उर्फ मोनू (38) की गोली मारकर हत्या कर दी। तहसील में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद होने के बावजूद बदमाश बड़े आराम से पैदल ही भाग निकले।

इस दौरान वे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। हत्या के पीछे मोनू का बहनोई एडवोकेट अमित डागर, उसका भाई एडवोकेट नितिन डागर और उसके परिजनों के साथ विवाद सामने आया है। मोनू की पत्नी कविता ने सिहानी गेट थाने में उनके खिलाफ ही नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गाजियाबाद में मनोज चौधरी की बहन सरिता का कहना है कि फुटेज में नजर आ रहे दो शख्स में एक उनका पति अमित डागर और दूसरा देवर नितिन डागर है। दोनों ने ही हत्या की है। वे दोनों वकील हैं। साजिश में ससुर मदन और दो अन्य अनुज व पालू शामिल हैं। मनोज की पत्नी कविता ने इन लोगों के खिलाफ ही नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सरिता ने बताया कि 24 जून से वह मायके में रह रही हैं। अमित ने चार दिन पहले भाई को हत्या की धमकी दी थी। बुधवार सुबह भी उसने उसे फोन करके कहा, तेरा रक्षाबंधन बिगाड़ दूंगा। अमित चिरंजीव विहार का निवासी है और नोएडा में प्रैक्टिस करता है। नितिन गाजियाबाद तहसील सदर में ही प्रैक्टिस करता है। मनोज 2008 से वकालत कर रहे थे। उनके पिता रंजीत सिंह दरोगा थे। उनका निधन हो चुका है।

तीन टीमों का गठन

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दिनेश कुमार पी. ने बताया कि हत्यारोपियों को पकड़ने के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है।

अमित ने 15 जनवरी को पत्नी, बच्चे और मां पर चलाई थी गोली

15 जनवरी को शराब के नशे में अमित ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से पत्नी, बच्चों और मां पर गोलियां चलाई थीं। जिनमें से एक गोली उसकी मां को लगी थी। उस मामले में अमित जेल जा चुका है। मामले में अमित के पिता ने कविनगर थाने में केस दर्ज कराया था। अमित की पिस्टल पुलिस के कब्जे में है।

पुलिस ने 10 फरवरी को मामले में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। सरिता ने बताया कि उसके बाद वह मायके आ गईं। समझौता होने के बाद वह 16 अप्रैल को फिर ससुराल चली गईं। फिर भी पति की आदत में सुधार नहीं आया है। वह फिर उनके साथ मारपीट करने लगा तो 24 जून को मायके आ गईं। उनका एक बेटा और एक बेटी है। बेटा अपने पिता के साथ रहता है और बेटी उनके साथ रहती है।

राखी पर छीन लिया चार बहनों का इकलौता भाई

मनोज चौधरी अपनी चार बहन सरिता, सपना, कल्पना और ज्योति के इकलौते भाई थे। घर में रक्षा बंधन की तैयारी चल रही थी। सरिता ने बताया कि 31 अगस्त को सभी बहनें भाई को राखी बांधती। लेकिन, पति ने इससे पहले ही भाई की हत्या कर दी।

घटना के चश्मदीद बैनामा लेखक मुनेश त्यागी ने बताया कि वह अपने चैंबर (नंबर 95) में मनोज चौधरी और दो मुंशियों के साथ बैठे थे। मनोज खाना खा रहे थे। तभी दो युवक घुसे। एक मनोज के नजदीक आया और उनकी कनपटी पर गोली मार दी। वे लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही हमलावर भाग निकले।

मुश्किल से 30 सेकंड में वारदात हो गई। मनोज की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने तहसील परिसर में ही अपनी बाइक खड़ी कर रखी थी। वहां तक पैदल पहुंचे। इसके बाद बाइक से भाग गए। गोविंदपुरम निवासी मनोज चौधरी तहसील बार संघ के पूर्व सचिव थे।

तहसील में वकील की हत्या: दबे पांव आए और सटाकर मारी गोली, चश्मदीद बोले- 30 सेकंड में वारदात कर भाग गए

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के सिहानी गेट थाना इलाके में स्थित सदर तहसील के चेंबर नंबर 95 में घुसकर नकाबपोश हमलावरों ने अधिवक्ता मनोज चौधरी (38) की कनपटी पर गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के समय मनोज अपने साथी मुनेश त्यागी के साथ खाना खा रहे थे।

गाजियाबाद की तहसील सदर में बुधवार दोपहर करीब दो बजे दो नकाबपोश हमलावरों ने चैंबर में घुसकर वकील मनोज चौधरी उर्फ मोनू (38) की गोली मारकर हत्या कर दी। तहसील में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद होने के बावजूद बदमाश बड़े आराम से पैदल ही भाग निकले। इस दौरान वे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। हत्या के पीछे मोनू का बहनोई एडवोकेट अमित डागर, उसके भाई एडवोकेट नितिन डागर और उसके परिवारीजनों के साथ विवाद सामने आया है। मोनू की पत्नी कविता ने सिहानी गेट थाने में उनके खिलाफ ही नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

दोपहर के दो बजे थे, अधिवक्ता मनोज चौधरी चैंबर में खाना खा रहे थे। चैंबर के मालिक बैनामा लेखक मुनेश त्यागी बराबर में बैठे थे। पास में ही मुंशी जितेंद्र और गौरव थे। तभी दो नकाबपोश बिजली की तेजी से चैंबर में दाखिल हुए। उन्हें आते हुए किसी ने नहीं देखा। नजर ही तब आए, मनोज के बेहद नजदीक पहुंच गए। दोनों दबे पांव आए थे। चश्मदीद मुनेश त्यागी का कहना है कि उनके नकाब देखकर कोई कुछ समझ पाता, इससे पहले ही एक ने मनोज की कनपटी पर सटाकर गोली मार दी। फायर की आवाज भी बहुत ज्यादा नहीं हुई लेकिन मनोज के सिर से खून का फव्वारा छूट पड़ा। वह मनोज को देख ही रहे थे कि दोनों हमलावर आंखों के सामने से ओझल हो गए।

गोली की आवाज सुनकर आसपास से लोग चैंबर की तरफ दौड़े। तब तक दोनों जा चुके थे। उन्होंने बताया कि मुश्किल से 30 सेकंड लगे होंगे उनके चैंबर में आने और हत्या करके जाने में। बाद में पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे देखे तो पता चला कि दोनों अपनी बाइक कुछ दूरी पर खड़ी करके आए थे। बाइक से ही भाग निकले। उस समय वकील तहसील बार के अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बार सभागार में बैठक कर रहे थे। वकील की हत्या का पता चलने पर सभी मौका-ए-वारदात की तरफ दौड़े।

मोबाइल दफ्तर में रखकर आया

मनोज की बड़ी बहन सरिता ने बताया कि उनके पति अमित डागर ने हत्याकांड को सुनियोजित साजिश के तहत अंजाम दिया है। इसी के तहत वह अपना मोबाइल फोन दफ्तर में छोड़कर आया था ताकि पुलिस उसकी लोकेशन चेक करे तो यह तहसील की नहीं आए। इसके पीछे उसका मकसद घटना के वक्त अपनी लोकेशन नोएडा स्थित अपने दफ्तर की साबित करने का है।

उन्हें इसका पता उनके बेटे से लगा। उन्होंने बताया कि जैसे ही भाई की हत्या का पता चला, उनका शक अमित पर ही गया क्योंकि वह धमकी दे चुका था। उन्होंने अपने बेटे को फोन मिलाया। बेटे ने बताया कि पिता सुबह से यहां नहीं है। वह अपना फोन छोड़ गए हैं। एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया कि घटना में इस्तेमाल अमित की बाइक उसके चिरंजीव विहार स्थित घर पर ही मिली है। यह कुछ दिन पहले ही खरीदी गई थी। इस पर नंबर भी नहीं है। यह बाइक फुटेज में नजर आ रही है। सरिता का कहना है कि बाइक को घर पर छोड़ना भी उसकी चाल है। वह साबित करना चाहता है कि उसने हत्या नहीं की लेकिन फुटेज को कैसे नकारा जा सकता है।

भाई की पिस्टल से ली जीजा की जान

सरिता ने बताया कि बेटे के बाद उन्होंने अपनी देवरानी को फोन किया। उससे पूछा कि इन दोनों (अमित और नितिन) ने यह सब क्या कर दिया। देवरानी घबराई हुई थी। उसने बताया कि अमित ने नितिन से कहा था कि उसे पिस्टल दे दे। इस पर नितिन ने घर से अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकालकर उसे दी थी।

सरिता का कहना है कि देवरानी की बातों से पता चल गया कि वारदात में पति और देवर शामिल हैं। निश्चित रूप से गोली अमित ने ही चलाई होगी क्योंकि नितिन की पिस्टल उसके ही पास थी। वह कई दिनों से धमकी दे रहा था। पुलिस ने उन्हें हमलावरों के सीसीटीवी फुटेज दिखाए। वह पहचान गईं कि हमलावर कोई और नहीं, उनके पति और देवर ही हैं।

पुलिस तैनात थी फिर भी हो गई हत्या

मंगलवार को हापुड़ में वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में गाजियाबाद के वकील बुधवार को हड़ताल पर थे। तहसील परिसर में भी अधिवक्ताओं ने काम नहीं किया। आशंका थी कि वे विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं। इसे देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

सवाल यह उठ रहा है कि बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के मौजूद होने के बावजूद वकील की हत्या कैसे हो गई। वकीलों ने बताया कि जब दोपहर तक कोई हंगामा प्रदर्शन नहीं हुआ तो पुलिसवाले आराम फरमाने लगे। यही वजह रही न तो नकाबपोश हमलावर हत्या करते जाते समय पुलिस की नजर में आए और न ही हत्या करने के बाद भागते हुए।

18 अगस्त को मनाया था बेटे का जन्मदिन

सरिता ने बताया कि 18 अगस्त को मनोज के 13 वर्षीय बेटे आरव का जन्मदिन था। परिवार ने धूमधाम से उसका जन्मदिन मनाया था। आरव ने मनोज से जन्मदिन पर गिफ्ट में साइकिल मांगी थी। भाई ने साइकिल लाकर दी थी। उसके पति ने बच्चों के सिर से पिता का साया छीन लिया। मनोज 2008 से वकालत कर रहे थे। उनके पिता रंजीत सिंह दरोगा थे। उनका निधन हो चुका है।

वकील हत्याकांड: तहसील में घुसकर अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या करने वाले गिरफ्तार

अमित डागर, नितिन डागर और पालू ने अधिवक्ता मनोज चौधरी हत्याकांड को अंजाम दिया था। तीनों ब्रेजा कार से तहसील पहुंचे थे। नितिन चैंबर के अंदर गया था, नितिन ने ही मनोज के गोली मारी थी।

गाजियाबाद की तहसील सदर में बुधवार दोपहर करीब दो बजे तीन नकाबपोश हमलावरों ने चैंबर में घुसकर वकील मनोज चौधरी उर्फ मोनू (38) की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने तीनों हत्यारों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी अमित डागर ने बताया कि वह सरिता से बेटी को घर भेजने के लिए कह रहा था कि हमारे घर में रक्षाबंधन का त्योहार हो जाएगा। लेकिन सरिता नहीं मानी और अपनी बेटी को नहीं भेजा। इस पर गुस्साए अमित और नितिन ने दो दिन पहले मनोज की हत्या की साजिश रची। वहीं अमित ने सरिता के नाम करीब डेढ़ करोड़ रूपये कीमत के दो मकान खरीदें थे। अमित का कहना है कि सरिता उन्हें मनोज की मदद से बेचने का प्रयास कर रही थी। जिसका वह विरोध कर रहा था।

पुलिस ने बताया कि अमित डागर, नितिन डागर और पालू ने अधिवक्ता मनोज चौधरी हत्याकांड को अंजाम दिया था। तीनों ब्रेजा कार से तहसील पहुंचे थे। नितिन चैंबर के अंदर गया था, नितिन ने ही मनोज के गोली मारी थी। अमित और पालू चैंबर के बाहर खड़े रहे थे। इसके बाद तीनों कार से भाग गए। कार चिरंजीव विहार में अमित ने अपने घर पर खड़ी की। इसके बाद गांव दुहाई चले गए। वहां से पालू की कार से अलग-अलग ठिकाने बदलते रहे।

तहसील में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद होने के बावजूद बदमाश बड़े आराम से पैदल ही भाग निकले। इस दौरान वे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। हत्या के पीछे मोनू का बहनोई एडवोकेट अमित डागर, उसके भाई एडवोकेट नितिन डागर और उसके परिवारीजनों के साथ विवाद सामने आया। मोनू की पत्नी कविता ने सिहानी गेट थाने में उनके खिलाफ ही नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई।

दोपहर के दो बजे थे, अधिवक्ता मनोज चौधरी चैंबर में खाना खा रहे थे। चैंबर के मालिक बैनामा लेखक मुनेश त्यागी बराबर में बैठे थे। पास में ही मुंशी जितेंद्र और गौरव थे। तभी नकाबपोश बिजली की तेजी से चैंबर में दाखिल हुए। उन्हें आते हुए किसी ने नहीं देखा। नजर ही तब आए, मनोज के बेहद नजदीक पहुंच गए। हमलावर दबे पांव आए थे। चश्मदीद मुनेश त्यागी का कहना है कि उनके नकाब देखकर कोई कुछ समझ पाता, इससे पहले ही एक ने मनोज की कनपटी पर सटाकर गोली मार दी। फायर की आवाज भी बहुत ज्यादा नहीं हुई लेकिन मनोज के सिर से खून का फव्वारा छूट पड़ा। वह मनोज को देख ही रहे थे कि हमलावर आंखों के सामने से ओझल हो गए।

आखिर क्या है भारत में EV का भविष्य, ग्राहकों के सामने 3 बड़ी मुश्किलें

माना जा रहा है कि 2025 तक ईवी की चार्जिंग समस्या नहीं रह जाएगी। ईवी को लेकर दूसरे सवाल की बात करें तो इसकी कीमत अभी भी अन्य कारों की तुलना में अधिक है। तमाम सब्सिडी और छूट के बाद भी एक बेहतर छोटी ईवी कार 8-10 लाख रुपए के बीच आ रही है। ऐसे में इसकी कीमत एक बड़ी समस्या है। हालांकि आने वाले समय में चार्जिंज स्टेशन बढ़ने और अन्य कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा से ईवी के दाम कम हो सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल के इस्तेमाल को कम करने और बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए भारत में इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों की शुरुआत की गई है। अच्छी बात यह है कि ईवी पर सरकार काफी ध्यान दे रही है और इसे आगे बढ़ाने में हर तरह की मदद मुहैया करा रही है ताकि लोग ईवी को खरीदें। हालांकि सरकार की ओर से ईवी को बढ़ावा देने के लिए कई तरह की स्कीम चलाई जा रही है लेकिन बावजूद इसके जिस रफ्तार से ईवी के आगे बढ़ने की उम्मीद की जा रही है उस रफ्तार से यह आगे नहीं बढ़ पाई है। ईवी खरीदने से पहले अभी भी लोगों के सामने कुछ बड़े सवाल हैं, जिसकी वजह से वह इसे खरीदने से कतराते हैं। जब भी कोई ग्राहक ईवी के विकल्प के बारे में सोचता है तो उसके सामने तीन बड़े सवाल खड़े होते हैं। पहला सवाल इसकी चार्जिंग को लेकर, दूसरा इसकी इसकी कीमत को लेकर और तीसरा सवाल इसकी गुणवत्ता को लेकर।

ईवी की चार्जिंग हर किसी के मन में एक बड़ा

सवाल खड़ा करती है। ईवी की चार्जिंग में सामान्य चार्जिंग करने पर 6-8 घंटे लगते हैं। एक फुल चार्जिंग में गाड़ियां सामान्य तौर पर 300-400 किलोमीटर चलती हैं। हालांकि कुछ जगहों पर फास्ट चार्जिंग के विकल्प मौजूद हैं लेकिन जिस तुलना में ये होने चाहिए वह अभी भी नहीं हैं। लेकिन तेजी से इस दिशा में केंद्र सरकार, राज्य सरकार और प्राइवेट प्लेयर काम कर रहे हैं। माना जा रहा है कि 2025 तक ईवी की चार्जिंग समस्या नहीं रह जाएगी। ईवी को लेकर दूसरे सवाल की बात करें तो इसकी कीमत अभी भी अन्य कारों की तुलना में अधिक है। तमाम सब्सिडी और छूट के बाद भी एक बेहतर छोटी ईवी कार 8-10 लाख रुपए के बीच आ रही है। ऐसे में इसकी कीमत एक बड़ी समस्या है। हालांकि आने वाले समय में चार्जिंज स्टेशन बढ़ने और अन्य कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा से ईवी के दाम कम हो सकते हैं। भारत में दोपहिया ईवी की बात करें तो इस मामले में ओला सबसे ऊपर है। ओला का इस सेगमेंट में 34 फीसदी शेयर है। जबकि दूसरे नंबर पर अथर 13 फीसदी, टीवीएस 12 फीसदी, अंपेरे 10 फीसदी दो पहिया वाहनों के साथ चौथे नंबर पर है। 15 मई 2023 के आंकड़ों के अनुसार कुल 92023 ईवी दोपहियां गाड़ियां बिकी हैं, जिसमे से सर्वाधिक 31396 ओला की गाड़ियां हैं।

अडानी ग्रुप के शेयर हुए धड़ाम वहीं ईवी कारों की बात करें तो देश में वित्त वर्ष 2023 में कुल 2337761 ईवी कारें बिक चुकी हैं। 2022 की तुलना में 2023 में ईवी कारों की बिक्री में 174 फीसदी का उछाल आया है। 2022 में कुल 455773 कारें की बिक्री में बढ़ोत्तरी हुई थी, जोकि 2023 में बढ़कर 1247120 हो गई। उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 20 फीसदी ईवी कारें बिकी हैं, इसके बाद महाराष्ट्र में 10.15 फीसदी और दिल्ली में 8.85 फीसदी ईवी कारें बिकी हैं।

कॉस्ट इफेक्टिव हैं ये इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन
महीने का फ्यूल खर्च कर देंगे जीरो!

पिछले कुछ वर्षों के दौरान इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री और मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. भारत की इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री वित्त वर्ष 2023 में 7.4 लाख यूनिट के आसपास रही है. आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए कई कंपनियों ने अपने नए ब्रांड लॉन्च कर रहे हैं. जबकि, कुछ पहले से ही मार्केट में उपलब्ध हैं.

नईदिल्ली : क्या आप अपने दोपहिया वाहन के मासिक पेट्रोल बिल पर बहुत अधिक पैसा खर्च करने से थक गए हैं? क्या आप एक ही समय में पर्यावरण और अपने बटुए को बचाना चाहते हैं? यदि हां, तो आपको इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) दोपहिया वाहन पर स्विच करने पर विचार करना चाहिए. ईवी दोपहिया वाहन पारंपरिक वाहनों की तुलना में अधिक लागत प्रभावी, पर्यावरण के अनुकूल और चलाने में सुविधाजनक हैं. उनकी रखरखाव लागत कम है, कोई कार्बन उत्सर्जन नहीं है और उन्हें घर पर या सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों पर चार्ज किया जा सकता है, इसके अलावा बैटरी स्वैपिंग टर्मिनलों के विकल्प भी उपलब्ध हैं, जिससे आप समय बचा सकते हैं.

पिछले कुछ वर्षों के दौरान इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री और मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. भारत की इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री वित्त वर्ष 2023 में 7.4 लाख यूनिट के आसपास रही है. वित्त वर्ष 2024 में 2 मिलियन यूनिट बिक्री का लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद है. वहीं, आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए कई कंपनियों ने अपने नए ब्रांड लॉन्च कर रहे हैं. जबकि, कुछ पहले से ही मार्केट में उपलब्ध हैं.

Ather 450X

इलेक्ट्रिक ऑटोमेकर एथर ने एथर 450X स्कूटर के दो नए वेरिएंट पेश किए हैं. यह 115 किमी और 145 किमी रेंज वेरिएंट के बीच विकल्प प्रदान करता है. ग्राहक 450X मॉडल के साथ प्रो पैक का विकल्प चुन सकते हैं, जो राइड असिस्ट, एथर बैटरी प्रोटेक्शन, एथरस्टैक अपडेट और एथर कनेक्ट जैसी सुविधाएं प्रदान करता है. 7-इंच डीपव्यू डिस्प्ले में ऑटो-ब्राइटनेस और बेहतर सूरज की रोशनी की सुगमता मिलती है. वहीं, नया Ather450S में 2.9 kWh की बैटरी क्षमता है, जो 115 किमी की IDC रेंज पेश करती है.

नया HOP LEO

इस साल की शुरुआत में लॉन्च की गई नई हाई स्पीड HOP LEO की वास्तविक रेंज 120 किमी है. यह अपनी ईफ्लो तकनीक और 72 वी के वोल्टेज डिजाइन, 2200 डब्ल्यू पीक मोटर पावर और पहियों पर 90 एनएम अधिकतम टॉर्क के कारण बाजार में सबसे शक्तिशाली एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक स्कूटरों में से एक है. बैटरी 2.1 kWh स्थापित क्षमता वाली लिथियम-आयन है जो एक बार चार्ज करने पर 120 किमी तक जा सकती है. HOP के तीन प्रोडक्ट बाज़ार में सफलतापूर्वक चल रहे हैं - दो ई-स्कूटर 'LEO' और 'LYF' और एक हाई स्पीड ई-मोटरसाइकिल 'OXO'.

Eblu FEO

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने हाल ही में 22 अगस्त 2023 को अपने पहले ई-स्कूटर Eblu FEO की लॉन्च तिथि की घोषणा की है. Eblu Feo का प्रोटोटाइप ऑटो एक्सपो 2023 में प्रदर्शित किया गया था जो डिजाइन के मामले में चिकना और उत्तम दर्जे का लगता है. Eblu FEO की अनुमानित रेंज 100 - 130 KM है और इसकी कीमत 1 लाख - 1.10 लाख के बीच होने की उम्मीद है.

Hero Optima 2.0

हीरो इलेक्ट्रिक ने तीन नए इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश किए हैं, जिनमें लिंक्ड तकनीकें शामिल होंगी. ऑप्टिमा CX2.0 में एक बैटरी है, लेकिन ऑप्टिमा CX5.0 और NYX में जुड़वां बैटरी शामिल हैं. इन वाहनों में एलईडी लाइटिंग और डीआरएल जैसी नई तकनीक शामिल है. CX2.0 में एक बैटरी है और 89 किमी की घोषित सीमा है, लेकिन CX5.0 और NYX में दो बैटरी हैं और 113 किमी की दावा की गई सीमा है. हीरो इलेक्ट्रिक के मुताबिक बैटरी को 3 घंटे में पूरी तरह चार्ज किया जा सकता है.

OLA S1 एयर

OLA S1 एयर आज बाजार में सबसे सुलभ ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जो किफायती रहते हुए संपूर्ण S1 अनुभव प्रदान करने का वादा करता है. S1 Air को Ola के Gen 2 प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है, जिसमें मामूली लेकिन ध्यान देने योग्य बदलाव हुए हैं, जिसने स्कूटर की उपस्थिति को प्रभावित किया है. OLA S1 एयर में अब फ्लैट फुटबोर्ड, टेलिस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन, ड्रम ब्रेक और नई डुअल-टोन पेंट स्कीम है। S1 एयर में पीछे की तरफ ट्विन शॉक्स और एक बॉक्स-सेक्शन स्विंगआर्म है.

OLA S1X

ओला S1 एयर ने 1.10 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत के साथ शुरुआत की थी. ओला अपने आगामी S1X मॉडल के साथ मार्केट में बढ़त बनाने के लिए तैयार है. Ola S1X की शुरुआती कीमत 1 लाख रुपये से कम होने की उम्मीद है. यह कदम इसकी अपील को बढ़ाने के लिए तैयार है, जो इसे उन किफायती यात्रियों के लिए एक अनूठा विकल्प प्रदान करता है जो पारंपरिक पेट्रोल चालित स्कूटरों के लिए एक टिकाऊ और बजट-अनुकूल विकल्प की तलाश में हैं.

Okhi 90

अतिरिक्त सुविधाओं के साथ संशोधित 2023 ओकिनावा ओखी 90 को भारत में पेश किया गया है. संशोधित मॉडल में रंगीन डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले और बेहतर कनेक्टिविटी है. ओकिनावा Okhi 90 की एक बार चार्ज करने पर 160 किमी की रेंज और अधिकतम गति 80 से 90 मील प्रति घंटा है. 2023 Okhi 90 रियल-टाइम बैटरी एसओसी मॉनिटरिंग, रियल-टाइम स्पीड मॉनिटरिंग और ऑन/ऑफ नोटिफिकेशन के साथ आता है.

चिकित्सा विज्ञान की खूबियां-खामियां

पीके खुराना

हमारे चिकित्सा विज्ञान की सबसे बड़ी असफलता यह है कि यह भावनात्मक घावों को समझने और ठीक कर पाने में पूरी तरह से असफल है। दावा चाहे कुछ भी किया जाए, कोई भी प्रणाली सिर्फ शरीर के इलाज तक ही सीमित है। कोई भी प्रणाली मन का पूरा और सही-सही इलाज कर पाने में पूरी तरह से विफल है और उसके लिए आध्यात्मिक उपचार के अलावा और कोई साधन है ही नहीं। अब समय आ गया है कि हम अपने ज्ञान के अहंकार को छोड़कर आध्यात्मिक उपचार का महत्त्व समझें, और जहां जरूरत हो इसका उपयोग करके रोगी को सम्यक सेहत का उपहार दें'

आधुनिक समय में चिकित्सा विज्ञान ने बहुत प्रगति की है और तकनीक तथा अनुभव के मेल से चिकित्सा जगत से जुड़े लोग लाखों-करोड़ों मरीजों को जीवनदान दे रहे हैं। चिकित्सा जगत के शोध हमें नई राह दिखाते हैं और जीवन कुछ और आसान हो जाता है। आइए, चिकित्सा विज्ञान में हुए शोध की कुछ मुख्य बातों को समझने की कोशिश करते हैं। चिकित्सा विज्ञान मानता है कि हमारा शरीर एक सुपर कंप्यूटर है और अस्सी प्रतिशत बीमारियों को ये खुद ही ठीक कर सकता है, बिना किसी दवाई के। वस्तुतः आयुर्वेद तो यह भी कहता है, और जिसे अनुभव ने सिद्ध भी किया है, कि आम बुखार और सिरदर्द जैसी बीमारियां, जिन्हें हम बीमारी मानते हैं, बीमारी हैं ही नहीं बल्कि ये शरीर की किसी अन्य खराबी का संदेश देते हैं। ये सिर्फ संदेशवाहक हैं और दवाई लेकर हम इन संदेशवाहकों को चुप करवा देते हैं, उनका संदेश सुनते ही नहीं और असल रोग ठीक होने के बजाय अंदर ही अंदर पनपता चलता है जो बाद में कहीं ज्यादा कष्टप्रद रोग के रूप में सामने आता है। चिकित्सा विज्ञान यह मानता है कि बुखार को यदि बर्दाश्त करके खाने-पीने में उचित परहेज कर लिया जाए तो बुखार दो-तीन दिन में खुद ही ठीक हो जाता है और बुखार के कारण शरीर के अंदर जमा गंदगी को बाहर निकलने का रास्ता मिल जाता है, जिससे हम आने वाली बड़ी कठिनाई से मुक्ति पा लेते हैं। चिकित्सा विज्ञान यह भी स्वीकार करता है कि अस्सी प्रतिशत बीमारियां ऐसी हैं जिन्हें विज्ञान सेल्फ लिमिटिंग डिसीजिज मानता है, यानी ये बीमारियां ऐसी हैं जो ज्यादा बिगड़ती नहीं हैं, अतः इनके इलाज के लिए दवाई की नहीं बल्कि धीरज, आराम और परहेज की जरूरत होती है।

दवाई लेकर तो हम दरअसल बीमारी को और बढ़ाते हैं क्योंकि दवाई से बुखार दब जाता है और शरीर को अपनी सफाई का मौका नहीं मिल पाता। चिकित्सा विज्ञान की सबसे बड़ी उपलब्धि यह स्वीकार करना है कि अस्सी प्रतिशत बीमारियों का कारण हमारी भावनाओं से जुड़ा है। बचपन में या बाद में कभी भी निरंतर अपमान सहने, मारपीट सहने, चिढ़ाए जाने आदि के बाद उसका प्रतिकार न कर पाने के कारण अगर हम खुद को बेबस पायें तो हमारे मन को जो चोट लगती है वह हमारे अवचेतन मन में गहरे बैठ जाती है और उससे उपजी आत्मग्लानि, जीवन में किसी न किसी रोग के रूप में सामने आती है। लेकिन यही शोध चिकित्सा विज्ञान की एक बड़ी असफलता की ओर भी इशारा करता है। चिकित्सा विज्ञान की कोई भी प्रणाली भावनात्मक घावों को समझने और ठीक कर पाने में पूरी तरह से असमर्थ है। दावा चाहे कुछ भी किया जाए, एलोपैथी, होम्योपैथी, आयुर्वेद या विश्व में प्रचलित अन्य वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियां, कोई भी प्रणाली सिर्फ शरीर के इलाज तक ही सीमित है। उच्च शिक्षित मनोचिकित्सक भी मन में छुपे घावों का सही इलाज कर ही पायें, इसकी कोई गारंटी नहीं है। यही वह मुकाम है जहां आकर हमें आध्यात्मिक उपचार की महत्ता समझ में आती है, पर हम आध्यात्मिक उपचार की बात करें, उससे पहले चिकित्सा विज्ञान की कुछ और मान्यताओं पर भी बात कर लेना उपयोगी होगा। हम जानते ही हैं कि हमारी भावनाओं का हमारी सेहत से गहरा रिश्ता है, और प्रयोगों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्लैसीबो इफैक्ट भी दवाई की तरह काम करता है, यानी, अगर किसी रोगी को यह कहा जाए कि उसे दवाई दी जा रही है और दवाई की जगह सादा पानी, चीनी या नमक, या कुछ भी ऐसा दे दिया जाए, तो भी रोगी इस तसल्ली से ही ठीक होना शुरू हो जाता है कि उसे रोग की दवाई मिल गई। इसी तरह यह भी सिद्ध हो चुका है कि यदि रोगी के आसपास के वातावरण को खुशनुमा बना दिया जाए, रोगी के मन में आशा का संचार किया जाए, तो बहुत संभव है कि रोगी अपने किसी अत्यंत गंभीर रोग से भी उबर जाए, जल्दी ठीक होना शुरू हो जाए, तेजी से ठीक होना शुरू हो जाए, या उसकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाए और वह डाक्टरों की उम्मीद से कहीं ज्यादा लंबा जीवन जीने के काबिल हो जाए।

इसके विपरीत यदि किसी रोगी को डाक्टर ये बताए कि उसका रोग इतना गंभीर है कि वह कुछ ही महीनों का मेहमान है, तो यह बाकायदा संभव है कि उसकी मानसिक निराशा के कारण उसकी शारीरिक हालत और बिगड़ जाए और वह रोगी अपने समय से बहुत पहले ही मृत्यु को प्राप्त हो जाए। एक बड़ा सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की अब तक की प्रगति के बावजूद, यह स्वयंसिद्ध है कि चिकित्सा की कोई एक प्रणाली शत-प्रतिशत सफल नहीं है, अतः किसी डाक्टर, वैद्य, हकीम, प्राकृतिक चिकित्सक या वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली से जुड़े चिकित्सक को एक से अधिक चिकित्सा प्रणालियों में महारत हासिल है तो रोगी को उससे ज्यादा लाभ मिलने की संभावना सबसे ज्यादा है, और यदि इनमें से कोई भी आध्यात्मिक चिकित्सा प्रणाली का भी पोषक हो तो उसकी महारत का स्तर कई गुणा बढ़ जाता है। कारण यह है कि चिकित्सा विज्ञान की पहुंच सिर्फ शरीर तक है जबकि अधिकांश बीमारियों का कारण मानसिक है और एक सीमा के बाद पारंपरिक मनोचिकित्सक भी बेबस हो जाते हैं, लेकिन अगर उनकी शिक्षा के साथ आध्यात्मिक चिकित्सा प्रणाली का ज्ञान भी शामिल हो जाए तो सोने पर सुहागा जैसी स्थिति हो जाती है क्योंकि पारंपरिक चिकित्सा शिक्षा शरीर की कार्यप्रणाली की जानकारी देती है और आध्यात्मिक चिकित्सा प्रणाली एक चिकित्सक के लिए रोगी के अवचेतन मन का दरवाजा खोल देती है।

अवचेतन मन तक पहुंच कर चिकित्सक रोग की जड़ को समझ सकता है, उसका निवारण कर सकता है और रोगी का स्थायी और सफल इलाज कर सकता है। चिकित्सा विज्ञान की सीमाओं की बात करें तो हम जानते हैं कि वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली की असफलता इस बात में है कि उनके पास रोग की गंभीरता को मापने और इलाज के दौरान रोगी की प्रगति को मापने का कोई विश्वसनीय साधन नहीं है, जबकि ऐलोपैथी की असफलता इस बात में है कि उसके ज्यादातर इलाज, इलाज हैं ही नहीं, वो बीमारी को ठीक नहीं करते, बस कुछ समय के लिए उसे दबा देते हैं और परिणाम ये होता है कि पहली बीमारी तो ठीक होती नहीं, पर उस बीमारी के कारण और उसकी दवाई के साइड इफैक्ट के कारण कुछ सालों बाद एक और ज्यादा बड़ी बीमारी भी रोगी को घेर लेती है, जिसका आखिरी परिणाम रोगी की असमय मृत्यु के रूप में सामने आता है। हमारे चिकित्सा विज्ञान की सबसे बड़ी असफलता यह है कि यह भावनात्मक घावों को समझने और ठीक कर पाने में पूरी तरह से असफल है। दावा चाहे कुछ भी किया जाए, कोई भी प्रणाली सिर्फ शरीर के इलाज तक ही सीमित है। कोई भी प्रणाली मन का पूरा और सही-सही इलाज कर पाने में पूरी तरह से विफल है और उसके लिए आध्यात्मिक उपचार के अलावा और कोई साधन है ही नहीं। अब समय आ गया है कि हम अपने ज्ञान के अहंकार को छोड़कर आध्यात्मिक उपचार का महत्त्व समझें, और जहां जरूरत हो इसका उपयोग करके रोगी को सम्यक सेहत का उपहार दें।

संपादक की कलम से

केंद्र में मध्यावधि चुनाव

क्या आम चुनाव अपने तय समय से पहले दिसंबर-जनवरी में कराए जा सकते हैं? यह एक महत्त्वपूर्ण सवाल है, क्योंकि पूरे देश को नया जनादेश देना है। हालांकि सरकार और भाजपा के भीतरी संकेत ऐसे नहीं हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी कई बार दोहरा चुके हैं कि वह जनादेश का सम्मान करते हैं, लिहाजा वह पूरी अवधि तक प्रशासन में रहेंगे और चुनाव तय वक्त पर ही कराए जाएंगे, लेकिन विपक्ष के बड़े नेताओं नीतीश कुमार और ममता बनर्जी ने मध्यावधि चुनाव की आशंका जताई है। दोनों क्रमशः बिहार और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री हैं। खुफिया सूचनाएं उन तक भी पहुंचती हैं। दोनों नेताओं ने 'इंडिया' गठबंधन को जल्द ही एकजुट करने और साझा रणनीति तय करने के आग्रह किए हैं। ममता बनर्जी का इतना दावा भी है कि चुनाव प्रचार के लिए भाजपा ने हेलीकॉप्टर भी बुक कर लिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की रणनीति हो सकती है कि विपक्षी गठबंधन आकार भी न लेने पाए और चुनावों का शंखनाद कर दिया जाए। विपक्षी नेताओं की दलीलें हैं कि जिस तरह मोदी सरकार ने रसोई गैस का सिलेंडर 200 रुपए सस्ता किया है और 'उज्ज्वला योजना' वालों को 400 रुपए सस्ता सिलेंडर मिलेगा। इसी के साथ यह भी घोषणा की गई है कि 75 लाख महिलाओं को 'उज्ज्वला योजना' के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन और भरा गैस सिलेंडर भी दिए जाएंगे। इससे लाभार्थियों की कुल संख्या 10.35 करोड़ हो जाएगी। यह मोदी सरकार का ही दावा है। इन घोषणाओं को 'राखी का तोहफा' प्रचारित किया जा रहा है। बहरहाल भारत में रसोई गैस का सिलेंडर इस्तेमाल करने वालों की कुल संख्या 33 करोड़ से कुछ अधिक है, लिहाजा 'उज्ज्वला' के लाभार्थियों की संख्या बेहद महत्त्वपूर्ण है। इसके अलावा, भाजपा नेतृत्व ने मध्यप्रदेश और राजस्थान में पराजित सीटों पर अभी से उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। वे चुनाव प्रचार में भी जुट गए हैं।

दलीलें ये भी दी जा रही हैं कि भाजपा नेतृत्व ने अपने पार्टी कार्डर को अलर्ट भी कर दिया है और बूथ स्तर के असंख्य कार्यकर्ताओं को गृह मंत्री अमित शाह संबोधित कर रहे हैं। उनसे फोन पर भी संवाद किए जा रहे हैं। दरअसल यह भाजपा की पुरानी रणनीति रही है कि वह चुनाव के लिए हमेशा तैयार रहती है। इनसे मध्यावधि चुनाव के आसार स्पष्ट नहीं होते, लेकिन सबसे महत्त्वपूर्ण सूचना यह है कि जनवरी में मकर संक्रान्ति के आसपास प्रधानमंत्री मोदी को अयोध्या के भव्य राम मंदिर के एक हिस्से का उद्घाटन करना है। यहीं राम लला की मूर्तियां स्थापित की जानी हैं, लिहाजा वे प्राणवंत मानी जाएंगी। भाजपा इस संवेदनशील और आस्थामय मुद्दे को व्यापक स्तर पर भुनाना चाहेगी, लिहाजा चुनाव अप्रैल-मई के तय वक्त पर ही होंगे। दरअसल 'इंडिया' गठबंधन अभी तक एक निश्चित आकार और ताकत ग्रहण नहीं कर सका है। मुंबई में 31 अगस्त और 1 सितंबर को 'इंडिया' की बैठकें होनी हैं। देखते हैं कि गठबंधन का अध्यक्ष, संयोजक तय होने के साथ-साथ सचिवालय और सीटों के बंटवारे का शुरुआती फैसला होता है अथवा नहीं। गठबंधन का साझा न्यूनतम कार्यक्रम भी बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री पद का चेहरा फिलहाल तो तय नहीं होगा, क्योंकि अपने-अपने प्रभाव के क्षेत्रों में प्रधानमंत्री पद के लिए अपने-अपने नेता के शोर मचाए जा रहे हैं।

संभव है कि नीतीश और ममता चुनाव का हव्वा खड़ा कर दबाव देने की कोशिश कर रहे हों, ताकि तमाम निर्णय जल्द हो जाएं और 'इंडिया' का साझा चुनाव प्रचार आरंभ किया जा सके। बहरहाल कारण कुछ भी हों, लेकिन राजनीतिक गलियारों में एक बहस छिड़ गई है कि क्या मध्यावधि चुनाव हो सकते हैं। ऐसे चुनाव कोई अभूतपूर्व और अप्रत्याशित नहीं होते, क्योंकि 1971, 1980, 1984, 1991, 1998, 1999 और 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री विभिन्न कारणों से मध्यावधि चुनाव करा चुके हैं। उनकी जीत भी हुई और उनके दल पराजित भी हुए। बहरहाल मौजूदा परिदृश्य बिल्कुल भिन्न है। हम सरकार के निर्णय पर निगाहें रखे रहेंगे। जहां तक विपक्षी गठबंधन में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवारों का सवाल है, इस विषय में अभी वहां एकता नहीं हो पाई है। कोई कह रहा है कि अरविंद केजरीवाल को पीएम बनाना चाहिए, कोई राहुल गांधी को बनाना चाहता है, तो कोई ममता अथवा नीतीश का नाम भी ले रहा है।

राय

दोषी है आंगन का पेड़

इन पेड़ों के पक्ष में बहुत कुछ है, लेकिन ऐसे फैसलों की जद में आम हिमाचली के जीवन की मुश्किलें समझी नहीं जातीं। आपदा से राहत ढूंढ रहा हिमाचल ऐसी सख्तियां परवान चढ़ा रहा है, जो सामान्य लोगों के लिए किसी आफत से कम नहीं। अहम फैसलों में कई स्टोन क्रशर बंद कर दिए गए हैं। पर्यावरणीय लिहाज से ऐसे फैसलों की गूंज से सकारात्मक शाबाशियां मिल जाएं, लेकिन क्या विज्ञान की दृष्टि से यह सामाजिक न्याय की एकमात्र छड़ी है। कुछ इसी तरह पर्यावरण संरक्षण का मनोवैज्ञानिक प्रभाव पैदा करने के लिए छह प्रजातियों के पेड़ कटान पर रोक लगा दी है। अब आपके घर का आम वन विभाग की टोकरी में होगा, तो त्रियांबल, तुनी, पदम व रीठा भी घर के मालिकाना हक से कहीं अधिक जंगलात की अनुमतियों की पैदाइश करेगा। पर्यावरण संबंधी और भी कई फैसले हिमाचल की जीवनशैली में नश्तर की तरह खड़े रहते हैं, लेकिन इनसान से पेड़ों का रिश्ता घटा क्यों, इसकी चर्चा नहीं होती। किसी ने आज तक यह विश्£षण नहीं किया कि हिमाचल के नागरिकों को वन संरक्षण के बदले मिलता क्या है। आज से पचास साल पहले की वास्तुकला को देखें, तो हिमाचल उस स्तर तक लकड़ी का इस्तेमाल कर ही नहीं सकता। हम मजबूरन ऐसी इमारतें बना रहे हैं जिनकी बनावट में कम से कम लकड़ी का प्रयोग और अधिकतम स्टील, प्लास्टिक या एलयूमीनियम को खपाया जा रहा है। कभी धज्जी निर्माण शैली से घर बनते थे, लेकिन आज चाहकर भी कोई इसे अपना नहीं सकता। क्या हिमाचल की भौगोलिक परिस्थिति में परंपरागत नींव के पत्थर आज की स्थिति में उपलब्ध हो सकते हैं।

पहले खड्ड या दरियाओं को छान कर भवन निर्माण की सामग्री उपलब्ध हो जाती थी, लेकिन आज घर का निर्माण एक ऐसी गणना है, जो हिमाचल के बूते पूरी नहीं होती। बेशक हम सत्तर फीसदी जमीन पर जंगल उगाते हैं, लेकिन घर की छांव के लिए बाजार में उपलब्ध आयातित इमारती लकड़ी या वैकल्पिक सामग्री का इस्तेमाल करना हमारी मजबूरी है। बस्तियों में जंगल घुस सकता है, लेकिन बस्ती को जंगल की तरफ देखने की मनाही है। हिमाचल में घर बनाना एक अपराध की तरह विभिन्न विभागों के चक्कर काट रहा है। ऐसा कोई विभाग नहीं, जो जनता की मांग पर ऐसी भूमि की शिनाख्त कर सके। शहरी विकास विभाग या इसकी किसी एजेंसी ने मांग के आधार पर कोई नया शहर नहीं बसाया। करीब एक दशक पूर्व हिमुडा ने आवासीय मांग पर घर का सपना दिखाया, लेकिन पचहत्तर हजार के करीब आए आवेदन आज भी भ्रमित हैं। राजस्व रिकार्ड में टुकड़ों में बंटी जमीन का सौदा हो जाए, तो निर्माण की पैमाइश में बिजली या पेयजल की आपूर्ति के लिए युद्धरत माहौल कोर्ट कचहरी में बूहा कर देता है। क्या कभी अंदाजा लगाया कि अपना घरौंदा बनाने की ख्वाहिश ने कितने लोगों को कानूनों की जिरह में फंसा दिया है। इस पर तुर्रा यह कि अगर कोई पुश्तैनी टुकड़ा मिल भी जाए, तो 16 प्रजातियों के पेड़ इतनी निगरानी तो कर ही लेंगे कि किसी का घर एक जन्म में पूरा न हो। बेशक आपदा के वर्तमान दौर ने बहुत कुछ छीन लिया, लेकिन क्या हम हिमाचली जनता की मांग और आपूर्ति में वन विभाग को न्यायाधीश बना कर न्याय कर रहे हैं। निजी उपयोग के लिए प्रदेश में बची हुई जमीन की अलग-अलग किस्में तो हमने बना दीं, लेकिन कभी यह किस्म छांटी गई जो रहने के लिए अति उत्तम है। निजी जमीन की दशा से कहीं बेहतर हमीरपुर, ऊना, बिलासपुर, कांगड़ा, सिरमौर और चंबा के कई क्षेत्रों में जंगल के तहत आ गई जमीन है, तो क्या असुरक्षित निजी जमीन की अदला बदली जरूरी नहीं। कम से कम सरकार यह तो बताए कि भविष्य के लिए आम हिमाचली कहां और कैसा घर बनाए।

हंसराज ठाकुर

प्रदेश का दर्द राष्ट्रीय आपदा क्यों नहीं?

समय की नजाकत यही है कि इस आपदा के दौर में पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर केंद्र सरकार को प्रदेश में राष्ट्रीय आपदा के अंतर्गत अविलंब विशेष आपदा राहत पैकेज जारी करना चाहिए

हिमाचल प्रदेश अपने अस्तित्व में आने के बाद धीरे-धीरे हर क्षेत्र में आगे बढ़ ही रहा था कि वर्ष 2023 की जुलाई-अगस्त माह की प्रलयंकारी बारिश ने प्रदेश के लोगों व प्रदेश के विकास की कमर ही तोड़ दी। प्रकृति का ऐसा रौद्र रूप आज तक किसी प्रदेशवासी ने नहीं देखा होगा। बारिश बाढ़ बनकर ही बरसने लगी है। अचानक मौसम व पर्यावरण में हुए बदलावों को गहराई से समझने की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश आर्थिक रूप से इतना सुदृढ़ राज्य नहीं है। खेती व बागवानी ही लोगों की आर्थिकी के प्रमुख साधन हैं। आज प्रदेश के आपदाग्रस्त लोगों को हर तरफ से संबल प्रदान करने की आवश्यकता है। लगता है कि हिमाचल प्रदेश विकास में कम से कम 10 से 15 वर्ष पीछे पहुंच गया है। अगस्त का प्रलयंकारी माह सैंकड़ों लोगों की जानें लील गया। मृतकों का आंकड़ा 400 तक पहुंचने लगा है। सैंकड़ों मकान, सरकारी भवन व सरकारी विद्यालय जमींदोज हो गए हैं। लोग बेघर व बेबस नजर आ रहे हैं। जमीनें पिघलती हुई नजर आ रही हैं। बागीचे भयंकर तबाही के चलते धरा से अदृश्य होने लगे हैं। जन संपर्क मार्ग भारी क्षतिग्रस्त हो चुके हैं तो कहीं अवरुद्ध पड़े हैं। बिजली-पानी जैसी मूलभूत जरूरतें लोगों के जीवन की विकटता बनती जा रही हैं। स्वास्थ्य सुविधाएं भी सडक़ संपर्क अवरोधों के चलते दुर्लभ हो रही हैं। दूरसंचार व्यवस्था चरमराने लगी है। मैदानी इलाके पूर्णतया जलमग्न होने लगे हैं। फसलें तबाह हो चुकी हैं।

प्रदेश के लोगों का पशुधन व गौशालाएं काल का ग्रास बन रही हैं। अब तो प्रदेश के लोग रात को सोने से भी कतराने लगे हैं कि न जाने कब यह बारिश कोई आफत लेकर आ जाए। खैर, स्वाभाविक है कि प्रकृति के इस तांडव से भविष्य में मानव जाति कुछ सीख तो अवश्य लेगी और पूर्व में हुई गलतियों को नहीं दोहराना चाहेगी। पिछले 40-50 वर्षों से स्थानीय नाले व खड्डें सूखने के कगार पर आ गए थे और लोगों की हिम्मत भी खड्डों व नालों के बहुत समीप और कई जगह अतिक्रमण के चलते नदियों के किनारे व नालों-खड्डों में मकान बनाने का प्रचलन भी बन गया था। आज इसी सोच के चलते कई जानों व मकानों का जल प्रवाह हो गया। जमीन में पानी की नमी इतनी ज्यादा हो गई कि अपने ऊपर मकानों के ज्यादा वजन को सहने की क्षमता क्षीण होने लगी है। सडक़, मकान व शहरों में पानी की निकासी की व्यवस्था गायब ही है, जो पानी निकासी के चलते नदी-नालों व खड्डों में तुरंत पहुंच जाता था। आज हर जगह जमीन में भी अवशोषित हो रहा है। यह बरसात मनुष्य को बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर गई। आपदा की सच्चाई कुछ भी हो, हर तरह के नुकसान से हिमाचल प्रदेश में आपदा का स्तर बहुत बड़ा हो गया है। इसलिए इसे अविलंब राष्ट्रीय आपदा घोषित कर विशेष आर्थिक सहायता प्रदान करना लाजिमी है। इस दिशा में बेवजह देरी ठीक नहीं होगी। इस त्रासदी में कईयों की जानें बचाई जा सकती हैं, यदि राहत व पुनर्वास कार्यों को जल्द ही गति मिल सके।

राष्ट्रीय आपदा के कोई भी व्यापक मानदंड स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं हैं। इंडिया टीवी एक्सप्लेनर के अनुसार दसवें वित्त आयोग में जब राज्य की एक-तिहाई आबादी प्रभावित होती है, तब आपदा की दुर्लभ गंभीरता को राष्ट्रीय आपदा कहा जाता है, मगर दिसंबर 2005 में देश में आपदा से निपटने के लिए देशव्यापी कानून पास हुआ जिसमें किसी भी इलाके में प्राकृतिक या मानव निर्मित कारणों से दुर्घटना या उपेक्षा की वजह से आई ऐसी कोई महाविपत्ति, अतिष्ट तबाही आदि जिसमें मानव जीवन को हानि या संपत्ति को भारी नुकसान और विनाश या पर्यावरण को भारी क्षति पहुंचे और ये इतने बड़े पैमाने पर हो जिससे स्थानीय समुदाय के लिए निपटना संभव न हो, वो आपदा होगी। फिर ये सब भूकंप, भूस्खलन, चक्रवात, सुनामी, शहरी इलाकों में बाढ़, लू, प्राकृतिक आपदा के अंतर्गत माने जाएंगे व न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल व केमिकल की वजह से यदि नुकसान हो तो उसे मानव जनित आपदा माना जाएगा। वर्ष 2018 तक राष्ट्रीय आपदा को तय करने के बारे में कोई भी सरकारी या कानूनी नियम स्पष्ट नहीं था। तब तत्कालीन गृह राज्यमंत्री किरण रिजिजू ने कहा था, स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड यानी एसडीआरएफ या नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड यानी एनडीआरएफ की गाइडलाइन इसके बारे में स्पष्ट नहीं बताती है कि किस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। वर्ष 2001 में तत्कालीन कृषि राज्यमंत्री श्रीपाल नायक ने कहा था कि सरकार ने वर्ष 1999 में उड़ीसा में आया चक्रवातीय तूफान व 2001 में गुजरात भूकंप के साथ उत्तराखंड व महाराष्ट्र की त्रासदी को भी राष्ट्रीय आपदा घोषित किया गया था। राष्ट्रीय आपदा के बारे में 10वें वित्त आयोग में एक प्रस्ताव आया कि असाधारण प्रचंडता की राष्ट्रीय आपदा, जिसमें राज्य की एक-तिहाई आबादी प्रभावित हो, हालांकि आयोग ने यह कहा है कि अलग-अलग मामलों के हिसाब से यह अलग-अलग हो सकती है। इसी के अंतर्गत स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड के अंतर्गत राहत मुहैया करवाई जाती है।

अगर गंभीर प्राकृतिक आपदा होती है तो नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फंड से मदद ली जाती है, यानी प्राकृतिक आपदा के यह वार्षिक अनुदान होंगे। इसके अलावा आपदा राहत कोष भी बनाया गया जिसे राज्य व केंद्र सरकारों के बीच तीन अनुपात एक के हिसाब से बांटा जाता है और यही मांग आज हिमाचल प्रदेश भी कर रहा है। वर्ष 2023-2024 की दो किस्तों का पैसा 180 करोड़ प्रत्येक, इस आपदा राहत कोष के तहत हिमाचल को मिलनी थी, जिसमें एक किश्त संभावित थी। लेकिन दूसरी किश्त एडवांस के रूप में देने की वजह से पैसा एक ही किस्त में 360 करोड़ वार्षिक आपदा राहत राशि के रूप में जारी किया है। प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना फेज श्री के अंतर्गत लगभग 2600 करोड़ से अधिक के सैंक्शन आदेश जारी किए हैं, जो सरहनीय कदम है। मगर यह पैसा कहां और कैसे खर्च होता हैस इसके भी मापदंड तय होते हैं। तो यह पैसा किस तरह से तुरंत आपदा राहत राशि के लिए लोगों को राहत पहुंचाएगा, यह विचारणीय प्रश्न है। 6500 घरों का निर्माण आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश को राहत अवश्य देगा। समय की नजाकत यही है कि इस आपदा के दौर में पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर केंद्र सरकार को प्रदेश में राष्ट्रीय आपदा के अंतर्गत अविलंब विशेष आपदा राहत पैकेज जनहित में जारी करना चाहिए।

एक उधड़े कोट की मरम्मत

प्रिय मित्रो, हमें लगता है अब इस नये जमाने में आपको अपनी पुरानी सोच का परित्याग करना पड़ेगा। जो कल अच्छा था वह अब समय बीतने के साथ बोसीदा हो गया है। अब इसे सुधारने का प्रयास करोगे, तो ऐसे लगेगा कि जैसे आप अपने उधड़े हुए कोट के बखिये मरम्मत करने की कोशिश कर रहे हैं। अब इस मरम्मत को क्या कहें? एक ओर से बखिया सीते हैं तो दूसरी ओर से उधड़ जाता है। क्यों न जो कोट इन सदियों जैसे बरसों से हम पर लदा है और हमें फटीचर हो जाने का एहसास करवा रहा है, जी हां, क्यों न इसे उठा कर एक ओर फेंक दिया जाए और इसकी जगह एक बिल्कुल नया कोट पहन लिया जाए। माशा अल्लाह। बात देश के अस्सी प्रतिशत लोगों की गरीबी या उनकी बढ़ती महंगाई की मार या उन पर लदे बेकारी के बढ़ते बोझ को घटाने की हो रही थी, और आप फटे पुराने कोट की उधडऩ सीने की जगह नये कोट की तलाश में चल दिये। अजी हम कहां चले हैं? यह बेनूर आंखें और बेसहारा कदम ही नई जिंदगी की तलाश में भटक कर हमें बताते हैं कि अरे, पुराने फटे कोटों की उधडऩ को रो रहे हो, अपनी मैली कमीज और फटी बनियान की फिक्र करो। कहीं वह भी नदारद न हो जाये। क्योंकि इसकी मौजूदा हालत में तो इसे कोई गिरवी रख कर भी आपको एक जून पेट भरने का वसीला देने से रहा। बहुत बरस पहले जब इस देश में आजादी के चिराग जले थे, तब देश के मसीहाओं ने फैसला किया था कि सरकारी उद्यम और निवेश, और लाला लोगों का निजी व्यापार-धंधा आपस में गलबहियां डाल कर चलेगा।

जीवन की भीख मांगते पिछड़े लोगों का खाली ओसारा सरकारी क्षेत्र अपने लाभ की परवाह किये बगैर जनकल्याण से भरेगा। ऊंची अटारियों वाला निजी क्षेत्र बढ़ते लाभ की पताका फहराने की धुन में देश को प्रगति की ऐसी दौड़ देगा कि ये अटारियां चाहे और कितनी ऊंची हो जाएं, इनकी खिड़कियों से गिरता दाव सौगात बन वंचितों के नंगे कंधों पर नया कोट बन कर लद सकेगा। जनाब फिर साल दर साल पंचवर्षीय योजना बन कर गुजरते गये। निजी क्षेत्र की अटारियां रूप बदल कर बहुमंजिले मॉल-प्लाजा बन गये। गरीब के कन्धों का वह एहसास भी खत्म हो गया कि उसके कन्धों पर कोई फटा हुआ कोट कभी रहा है। रफूगर किस उधड़ी हुई सीन को सिये? वहां तो कोई कोट ही नहीं रहा। हां, बाबूडम की रियासत जरूर बन गई। सरकारी उद्यम की कारगुजारी और उसके द्वारा फहरायी जाने वाली कल्याण पताका एक ऐसी कटी पतंग बनी, जो उनकी बस्तियों के ऊपर से गुजरती हुई डिजिटल तरंगों में उलझ कर रह गई।

क्या करें इस बीच जमाना कयामत की चाल चल गया। आनलाइन हो गया। लेकिन उसका परिसर लकदक बस्तियों की सीमायें न लांघ पाया। शेष देश इतने बरसों रोटी, कपड़ा और मकान वाले अच्छे दिनों का इंतजार कर रहा था, वह आनलाइन हो सकने की चाहत के साथ स्मार्ट फोन बंटने की खैराती कतार में लग गया। लीजिये, ऐसी प्रगति न घर की रही न घाट की। 'आनलाइन' होकर डिजिटल हो जाने का नया कंगूरा क्या छूते? यहां तो 'ऑफ लाइन' की पटरी से भी उतर गये। अभी बड़े लोगों के नये चिन्तन ने एक पैगाम दे दिया। आक्सफैम के सर्वेक्षण आंकड़ों पर मत जाओ कि महामारी के सैलाब में दस प्रतिशत अरबपति तो खरबपति हो गए, और नब्बे प्रतिशत अपने पुराने तार-तार हो गए कोटों के लिए रफूगर तलाश रहे हैं। लेकिन इनको मंदी लग गयी है। जब उनके लिए नये कपड़े ही नहीं बिकेंगे, तो रफूगर चौराहों पर जमा भिखारी ब्रिगेड में शामिल होकर अपने लिए रोटी तलाशने का नया धंधा न अपना लें तो क्या करें?

सुरेश सेठ

कौन हैं विनोद अडानी जिनका राहुल गांधी ने लिया नाम, जानिए क्या है कनेक्शन

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुंबई में होने वाली विपक्षी गठबंधन की बैठक से पहले गौतम अडानी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है और इसकी जांच करनी चाहिए। राहुल ने कहा कि यह कोई सामान्य मामला नहीं है।

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता राहुल गांधी (Rahul Gandhi) ने मुंबई में होने वाली विपक्षी गठबंधन की बैठक से पहले गौतम अडानी (Gautam Adani) पर फिर से बड़ा हमला बोला है। इस दौरान राहुल गांधी ने गौतम अडानी के भाई विनोद अडानी के नाम का जिक्र किया। राहुल गांधी ने कहा कि पहला सवाल यह उठता है कि ये किसका पैसा है? ये अडानी का पैसा है या फिर किसी और का है? राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इसके पीछे के मास्टरमाइंड विनोद अडानी नामक एक सज्जन हैं, जो गौतम अडानी के भाई हैं। कहा कि पैसों की हेरा-फेरी में दो अन्य लोग भी शामिल हैं।

देश की सुरक्षा से जुड़ा है मामला

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। कहा कि वह पहले भी सवाल उठा चुके हैं, लेकिन केंद्र सरकार इस तरफ ध्यान नहीं दे रही है। राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले के पीछे एक सज्जन नासिर अली शाबान अहली और दूसरे एक चीनी नागरिक चांग चुंग है। राहुल गांधी ने कहा कि तमाम आरोपों और सबूतों के बाद भी भारत की जांच एजेंसियां गौतम अडानी से पूछताछ क्यों नहीं कर रही हैं? कहा कि इन दो विदेशी नागरिकों को उन कंपनियों में से एक के मूल्यांकन के साथ खेलने की परमीशन क्यों दी जा रही है।

खराब हो रही इमेज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत में कुछ दिनों के बाद जी-20 की बैठक होने वाली है। इस सम्मेलन में पूरी दुनिया के कई बड़े नेता और संस्थाओं के प्रतिनिधि हिस्सा लेने भारत आ रहे हैं। ऐसे में इस मामले में सरकार को अब जवाब देना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि यह कोई सामान्य मामला नहीं है। यह देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। इससे पूरी दुनिया में भारत की तस्वीर खराब हो रही है। सरकार को इस पूरे मामले की जांच कराई चाहिए। वहीं जो सच हो उसे पूरे देश को बताना चाहिए।

G20 समिट से पहले भारत के लिए एक और गुड न्यूज, इन आंकड़ों को देखकर लटक जाएगा चीन का मुंह

पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था ने शानदार प्रदर्शन किया है और भारत की ग्रोथ रेट 7.8 फीसदी पर पहुंच गई है। भारत के लिए ये आंकड़े इसलिए भी अहम हैं, क्योंकि दुनिया की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में ये सबसे तेज ग्रोथ रेट है।

नई दिल्ली: अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भारत के लिए एक और अच्छी खबर आई है। भारत की इकॉनमी और मजबूत हुई है। जी-20 समिट से पहले आए इन आंकड़ों से भारत की स्थिति और मजबूत हो गई है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के आंकड़े सामने आ गए हैं। चालू वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत हुई है। पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था ने शानदार प्रदर्शन किया है और भारत की ग्रोथ रेट 7.8 फीसदी पर पहुंच गई है। भारत के लिए ये आंकड़े इसलिए भी अहम हैं, क्योंकि दुनिया की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में ये सबसे तेज ग्रोथ रेट है।

एक नजर आंकड़ों पर

गुरुवार, 31 अगस्त को जीडीपी आंकड़े जारी किए गए। जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था का ग्रोथ बीती 4 तिमाही में सबसे तेज रही है। जून तिमाही के दौरान जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पहले मार्च तिमाही में ग्रोथ 6.1 फीसदी के स्तर पर थी। दिसंबर तिमाही में जीडीपी 4.5 फीसदी के रफ्तार से बढ़ी थी। अगर सेक्टर के आधार पर प्रदर्शन देखें तो जून तिमाही में एग्रीकल्चर सेक्टर का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा है। गुरुवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी डेटा (NSO) की ओर से आंकड़े जारी किए गए। NSO द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक एग्रीकल्चर सेक्टर का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। कृषि क्षेत्र में 3.5 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई, जो 2022-23 की इसी तिमाही में 2.4 प्रतिशत थी। हालांकि इस तिमाही में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की ग्रोथ घटी है और यह गिरकर 4.7 प्रतिशत रह गई। इस साल पहले समान अवधि में यह 6.1 प्रतिशत थी।

आरबीआई का पूर्वानुमान

रिजर्व बैंक के पूर्वानुमान के मुताबिक जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। आरबीआई ने पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रेट 8 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था। हालांकि विकास दर आरबीआई के अनुमान से कुछ कम रहा है। आपको बता दें कि कई रेटिंग एजेंसियों ने भारत के ग्रोथ रेट के अनुमान को संशोधित किया है। आईएमएफ ने 2023 के लिए ग्रोथ रेट 5.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था, लेकिन बाद में उसे संशोधित कर 6.1 फीसदी कर दिया। इसी तरह से रेटिंग एजेंसी ने अपना अनुमान 6 फीसदी से बढ़ाकर 6.3 फीसदी कर दिया।

तेज रफ्तार से बढ़ रहा भारत

भारत की तेजी रफ्तार बढ़ती इकॉनमी ने उसे दुनिया के बाकी देशों के लिए आंखों का तारा बना दिया है। इकॉनमी के अच्छे प्रदर्शन के साथ भारत ग्लोबल ग्रोथ का इंजन बनाता जा रहा है। भारत सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

सुनील मित्तल ने अफ्रीका में दो बार जलाए हाथ, नहीं मानी हार, एयरटेल को ऐसे बनाया ग्लोबल ब्रांड

एयरटेल ने अफ्रीका में सफलता हासिल कर ली है। आज अफ्रीका में एयरटेल एक जानी-मानी कंपनी है। कंपनी के चेयरमैन सुनील मित्तल को अफ्रीका में कई बार असफलता का सामना करना पड़ा था। एयरटेल ने Zain Telecom के अफ्रीकी देशों का अधिग्रहण किया और सब्सक्राइबर बेस को बढ़ाया। कंपनी ने अफ्रीका में लो टैरिफ स्ट्रैटेजी अपनाई।

नई दिल्ली। भारती एयरटेल (Bharti Airtel) ने लगातार खुद को कंप्टीशन में बनाए रखा है। मुकेश अंबानी (Mukesh Ambani) की कंपनी रिलायंस जियो (Reliance Jio) ने जब साल 2016 में टेलिकॉम सेक्टर में धमाकेदार एंट्री की थी। इस दौरान कई कंपनियों का बोरिया बिस्तर बंद हो गया था। कई कंपनियां अब भी इस झटके से नहीं उबर पाई हैं। लेकिन एयरटेल लगातार दौड़ में बना हुआ है। कंपनी के चेयरमैन सुनील मित्तल (Sunil Mittal) चुनौतियों से हार नहीं मानते हैं। अफ्रीका में भी एयरटेल को दो बार असफलता हाथ लगी थी। लेकिन सुनील मित्तल ने हार नहीं मानी और अफ्रीका में एयरटेल को सफलता दिखाई। अफ्रीका में किसी भी टेलीकॉम कंपनी के लिए सफलता पाना आसान नहीं है। आखिर सुनील मित्तल ने कैसे एयरटेल को कांप्टीशन में बनाए रखा है। किस तरह से उन्होंने एयरटेल को अफ्रीका में बड़ा ब्रांड बनाया। आइए आपको बताते हैं एयरटेल की सफलता के बारे में।

अफ्रीका में लगातार किए प्रयास

भारती एयरटेल (Bharti Airtel) भी भारत के बाहर अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी है। एयरटेल ने साल 2010 में अफ्रीका में एंट्री की थी। सुनील भारती मित्तल इससे पहले भी दो बार अफ्रीका में कारोबार शुरू करने की कोशिश कर चुके थे, लेकिन सफल नहीं हुए थे। तीसरी बार में उनके हाथ सफलता लगी। एयरटेल ग्रुप ने Zain Telecom के 15 अफ्रीकी देशों में BV परिचालनों का अधिग्रहण किया था। यह सौदा 10.7 अरब डॉलर का रहा था। सौदे के लिए एयरटेल ग्रुप ने 8.5 अरब डॉलर का कर्ज लिया था। इसके बाद जो एंटिटी अस्तित्व में आई, उसका नाम है एयरटेल अफ्रीका।

फूड इंफ्लेशन से एफएमसीजी कंपनियों को भी लगता है डर, जानिए नेस्ले के इंडिया हेड क्या कह रहे हैं

परिवहन विशेष न्यूज

इंफ्लेशन से हम-आप ही नहीं, बड़ी-बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियां भी डरती हैं। अब आप एफएमसीजी कंपनी नेस्ले को ही ले लीजिए। नेस्ले इंडिया के चीफ सुरेश नारायणन का कहना है कि फूड इंफ्लेशन उनके लिए भी चिंता का कारण है। इससे उनकी लागत बढ़ जाती है।

नई दिल्ली: फूड इंफ्लेशन से सिर्फ हमारा या आपके घर का ही बजट (Budget) ही नहीं बिगड़ता है। इससे कारपोट जगत भी प्रभावित होते हैं। अब एफएमसीजी सेक्टर (FMCG Sector) की मल्टीनेशनल कंपनी नेस्ले (Nestle India) को ही लीजिए। नेस्ले इंडिया के सीएमडी सुरेश नारायणन का कहना है कि उनके लिए भी फूड इंफ्लेशन चिंता का कारण है। उनका कहना है कि लांग टर्म में कमोडिटी की प्राइस (Commodity Price) में होने वाले उतार-चढ़ाव पर नजर रखना महत्वपूर्ण है। वैसे भी अभी बारिश में 30 फीसदी की कमी की बात की जा रही है। इसका असर तो फसल पर पड़ना तय है।

क्या कहा नेस्ले चीफ ने

सुरेश नारायणन ने गुरुवार को कहा कि यूं तो सरकार कीमतों पर काबू रखने के लिए प्रयासरत है। लेकिन तब भी फूड इंफ्लेशन चिंता का कारण है। इसलिए और दीर्घकालिक प्रभाव के लिए कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अल-नीनो का असर अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, हमें अभी भी फूड इंफ्लेशन की आशंका पर नजर रखनी होगी। नारायणन ने कहा, ₹खाद्य मुद्रास्फीति के मामले में दबाव होगा। सरकार द्वारा उठाए जाने वाले विभिन्न कदमों के कारण सकल मुद्रास्फीति कम हो जाएगी, लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति अभी भी चिंता का कारण है।

दूध की बढ़ी कीमतों के पीछे क्या

दूध की बढ़ी कीमतों पर नारायणन ने कहा कि इसमें कुछ स्ट्रक्चरल इश्यू भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने दुधारू पशुओं पर कोविड के बाद के प्रभाव के बारे में बात की। उस समय दुधारू पशुओं में हो रही लंपी स्किन डिजीज और कुछ अन्य कारक हावी थे। इस वजह से प्रोडक्शन प्रभावित हुआ, साथ ही कीमतें भी बढ़ी। किसानों की भी लागत बढ़ी है। पशुओं का चारा करीब 40 फीसदी महंगा हो गया है। इसलिए उन्हें प्रतिपूर्ति करना आवश्यक है। हालांकि उन्होंने फिलहाल राहत की सांस ली क्योंकि अभी दूध के लिए फ्लड सीजन चल रहा है। जब लीन सीजन आएगा, तब कुछ दिक्कत हो सकती है।

अब नेस्ले मिलेट में भी

आज ही नेस्ले ने मोटे अनाज (Pearl Millet) से बने खाद्य पदार्थ के सेक्टर में भी उतरने की घोषणा की। कंपनी ने फिलहाल बाजरे की खिचड़ी को बाजार में उतारा है। शुरुआत दिल्ली और एनसीआर के बाजार से हुई है। बाद में इसे अन्य बाजार में भी पेश किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मोटे अनाज पर केंद्र सरकार का काफी जोर है। साल 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट ईयर (International Millet Year) भी घोषित किया गया है। नेस्ले का कहना है कि यदि इस सेक्टर में उन्हें ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली तो इस बास्केट में कुछ और प्रोडक्ट शामिल किये जाएंगे।

'चंद्रयान 3 की सफलता के बाद हर कोई कह रहा था, भारत ने कर दिखाया', ब्रिक्स समिट के पलों को याद कर बोले जयशंकर

दिल्ली विश्वविद्यालय के एक सम्मेलन में ब्रिक्स सम्मेलन का अनुभव साझा करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि उस दौरान हम शारीरिक रूप से बैठक में मौजूद थे लेकिन मानसिक रूप से बेंगलुरु में थे। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन से भारत ने पूरे दुनिया को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल सोलर अलायंस के माध्यम से सौर ऊर्जा को लेकर पूरी दुनिया की सोच बदली है।

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान चंद्रयान 3 की लैंडिंग के दौरान जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि भारत ने पूरी दुनिया को प्रेरित किया है।

चंद्रयान 3 मिशन ने बढ़ाई भारत की शान

दरअसल, जिस दिन दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन किया गया था, उसी दिन चंद्रयान 3 को चांद के सतह पर लैंड होना था। इस पर बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा, ₹ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में, हम शारीरिक रूप से वहां मौजूद तो थे, लेकिन मानसिक रूप से हम बेंगलुरु में थे। पूरे समय पीएम और हमारे मन में केवल चंद्रयान का ही ख्याल आ रहा था।

उन्होंने कहा, ₹उस शाम चर्चा का एक ही विषय था, जो चंद्रयान की लैंडिंग था। वह दिन मेरे लिए सबसे भरा रहा था, क्योंकि सभी नेताओं की यह भावना थी कि भारत ने यह कर दिखाया है।

खानपान की आदतें बदलेगा

इस सम्मेलन में एस जयशंकर ने कहा, ₹हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस के माध्यम से सौर ऊर्जा को लेकर पूरी दुनिया की सोच बदल दी है। आज हम इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स के माध्यम से दुनिया की खानपान की आदतों को बदलने की भी कोशिश कर रहे हैं। हमने आपदा प्रतिक्रिया के गठबंधन के माध्यम से आपदाओं से निपटने का एक सामूहिक तरीका बनाया है।

उन्होंने कहा, भारत एक जगह है, एक देश है, जिसे आज जिम्मेदार के रूप में देखा और पहचाना जाता है, जिसे नई सोच रखने वाले की तरह देखा जाता है। खासतौर पर भारत को वैश्विक प्रगति को आगे बढ़ाने वाले के रूप में देखा जाता है।

G20 ने बदली हमारी पहचान

विदेश मंत्री ने कहा, ₹आज सभी लोग 2023 को भारत के लिए एक बड़े वर्ष के रूप में देखते हैं। एक ऐसा वर्ष, जब हमारी G20 की अध्यक्षता ने दुनिया में हमारी पहचान को ही पूरी तरह से बदल दिया और एक अलग स्थान पर खड़ा किया है।

'पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के अलग नहीं रखा जा सकता'

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, ₹संयुक्त राष्ट्र का गठन 1940 के दशक में हुआ था। तब संयुक्त राष्ट्र के 50 सदस्य देश थे और अब इसमें 200 से अधिक शामिल हैं। जनसंख्या के हिसाब से दुनिया के सबसे बड़े देश और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को इससे अलग नहीं रखा जा सकता और अगर इसे बाहर रखा गया तो संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता पर सवाल उठेंगे।

वैश्विक महामारी के दौरान हासिल की सफलता

दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज के एक कार्यक्रम में बोलते हुए, जयशंकर ने महामारी के दौरान भारत की सफलता की जानकारी भी साझा की और कहा कि भारत ने कई देशों को टीके उपलब्ध कराकर उनकी मदद की।

रूस-यूक्रेन युद्ध पैदा कर रहा वैश्विक मुद्रास्फीति

विदेश मंत्री ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर कहा, ₹यूक्रेन-रूस संघर्ष आज ईंधन की लागत, खाद्यान्न की उपलब्धता और कीमतों, उर्वरकों की पहुंच और कीमत में समस्याएं पैदा कर रहा है। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति की स्थिति बना रहा है।

उत्सव के तौर पर आयोजित हुआ G20

इस साल भारत द्वारा G20 समिट की मेजबानी कर रहा है। इस पर बोलते हुए, एस जयशंकर ने कहा कि भारत की अध्यक्षता अलग है। उन्होंने कहा, ₹हमने G20 को आधिकारिक कार्यक्रम के तौर पर नहीं बल्कि, राष्ट्रीय उत्सव के तौर पर आयोजित किया है।

वसुधैव कुटुंबकम पर आधारित G20

गौरतलब है कि भारत के पास 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक G20 की अध्यक्षता करने का अवसर है। भारत की G20 अध्यक्षता का विषय ₹वसुधैव कुटुंबकम₹ या ₹एक पृथ्वी · एक परिवार · एक भविष्य₹ है।

इन देशों का समूह है G20

इस समूह में 19 देश शामिल हैं, जिनमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ है।

कमजोर हो रहा ड्रैगन! चौतरफा मुसीबतों के बीच चीन को मिली एक और बैड न्यूज

चीन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। रेटिंग एजेंसी फिच ने उसके जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटा दिया है। इसमें 80 बीपीएस की भारी कटौती की गई है। चीन को पिछले कुछ दिनों से आर्थिक मोर्चे पर एक के बाद एक कई झटके लग रहे हैं।

नई दिल्ली। संकटों से जूझ रही चीन की इकॉनमी (China Economy) के लिए एक और बुरी खबर आई है। रेटिंग एजेंसी फिच (Fitch) ने फाइनेंशियल ईयल 2023 के लिए चीन की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को कम कर दिया है। पहले इसके 5.6 परसेंट रहने का अनुमान था लेकिन इसमें 80 बीपीएस की कमी की गई है। यानी चालू फाइनेंशियल ईयर में चीन की इकॉनमी के 4.8 परसेंट की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है। हालांकि एजेंसी ने चीन की लॉन्ग टर्म फॉरेन करेंसी इश्यूर डिफॉल्ट रेटिंग्स ए+ को बरकरार रखा है। चीन में अगस्त में लगातार पांचवें महीने फैक्ट्री एक्टिविटीज में गिरावट आई है। चीन की सरकार पर सुस्त होती इकॉनमी में जान फूंकने का दबाव बढ़ रहा है। इसके लिए पॉलिसी सपोर्ट बढ़ाने की मांग की जा रही है।

जून में एसएंडपी ग्लोबल ने भी चीन के इकॉनमिक ग्रोथ के अनुमान को घटा दिया था। एजेंसी के मुताबिक चीन की जीडीपी ग्रोथ 2023 में 5.2 परसेंट रह सकती है। इसके बाद गोल्डमैन सैश और दूसरे बड़े इन्वेस्टमेंट बैंकों ने भी चीन की रेटिंग में कटौती की थी। चीन दुनिया की

दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है। हाल के महीनों में इकॉनमी के मोर्चे पर चीन को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। रियल एस्टेट गहरे संकट में है, इंडस्ट्रियल आउटपुट और रिटेल सेल्स ग्रोथ अनुमानों से कम है और युवाओं की बेरोजगारी 20.8 परसेंट के रेकॉर्ड पर पहुंच गई है। इस साल चीन की जीडीपी ग्रोथ 4.4 परसेंट से 6.2 परसेंट रहने का अनुमान है। चीन की सरकार ने पांच परसेंट ग्रोथ का अनुमान जताया है।

आज आएंगे भारत के आंकड़े

इस बीच भारत की पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े आज जारी होंगे। ब्लूमबर्ग के अर्थशास्त्रियों के बीच कराए गए एक सर्वे के मुताबिक जीडीपी ग्रोथ 7.8 परसेंट पहुंच सकती है। आरबीआई की मॉनीटरी पॉलिसी ने पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ आठ परसेंट रहने का अनुमान जताया है। पहली तिमाही में एफडीआई में 34 परसेंट की गिरावट आई है और यह 10.94 अरब डॉलर रहा। पिछले साल की समान अवधि में यह 16.59 अरब डॉलर रही थी।

'चंदामामा के आंगन में जैसे खेल रहा हो...'

नए वीडियो में गोल-गोल घूमता दिखा प्रज्ञान रोवर

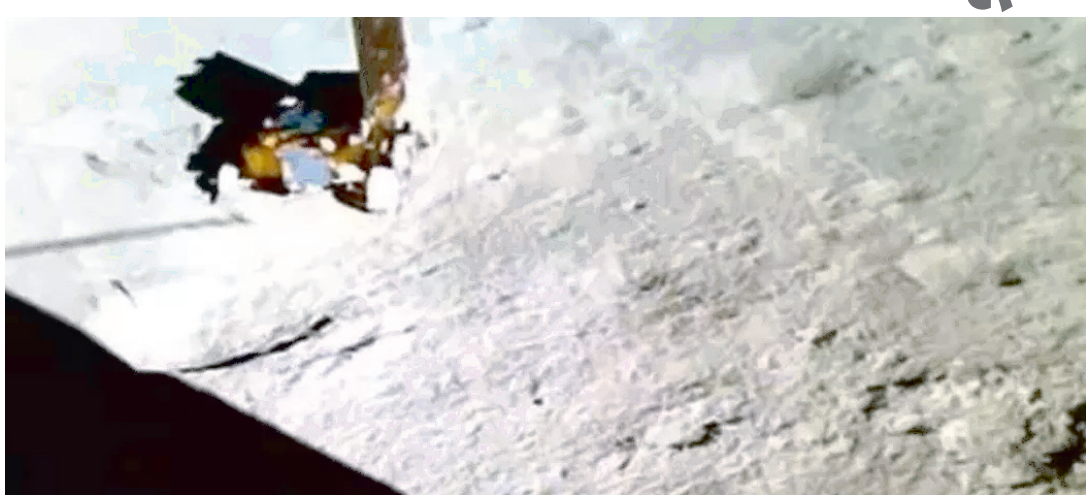

परिवहन विशेष न्यूज

इसरो द्वारा जारी नए वीडियो में रोवर खास अंदाज में दिख रहा है। रोवर सुरक्षित मार्ग की तलाश में गोल-गोल घूम रहा है। रोटेशन को लैंडर इमेजर कैमरे ने कैद किया है। इसरो ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ऐसा महसूस हो रहा है मानो कोई बच्चा चंदामामा के आंगन में अठखेलियां कर रहा हो और मां प्यार से देख रही हो।

नई दिल्ली। चंद्रयान 3 की चांद पर सफल लैंडिग के बाद अब प्रज्ञान रोवर और लैंडर विक्रम नई-नई तस्वीरें साझा कर रहे हैं। इस बीच आज फिर इसरो ने लैंडर द्वारा बनाई गई एक वीडियो जारी की है।

जैसे चंदामामा के आंगन में अठखेलियां कर रहा हो...

इस वीडियो में रोवर (Chandrayaan 3 Pragyan rover Video) खास अंदाज में दिख रहा है। दरअसल, वो सुरक्षित मार्ग की तलाश में गोल गोल घूम रहा है। रोटेशन को लैंडर इमेजर कैमरे द्वारा लिया गया है। इस पर इसरो ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ऐसा महसूस हो रहा है मानो कोई बच्चा चंदामामा के आंगन में अठखेलियां कर रहा हो और मां प्यार से देख रही हो।

चांद पर सल्फर की फिर हुई पुष्टि

इससे पहले इसरो ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर विक्रम लैंडर द्वारा जारी एक और फोटो पोस्ट किया था। इसमें रोवर लेजर-प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप (LIBS) उपकरण द्वारा चांद पर नए तत्वों को खोजते देखा जा रहा है। इसरो ने बताया कि इस उपकरण ने भी अब चांद पर सल्फर होने की पुष्टि की है।

पहले भी हो चुकी पुष्टि

चांद पर सल्फर, ऑक्सीजन, टाइटेनियम, मैंगनीज, सिलिकॉन और आयरन समेत कई तत्व मिलने की पुष्टि इसरो पहले भी कर चुका है।

चांद पर उल्कापिंड या ज्वालामुखी से आया सल्फर? चंद्रयान 3 की नई खोज से वैज्ञानिक भी मुश्किल में

चांद पर सफल लैंडिंग के बाद लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान लगातार नई तस्वीरें जारी कर रहे हैं। अब इसरो ने एक नई वीडियो जारी की जिसमें रोवर अपने नए उपकरण की मदद से चांद पर नई खोज कर रहा है। रोवर ने अपने अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोप (एपीएक्सएस) उपकरण की मदद से सल्फर की चांद पर मौजूदगी की एक बार फिर पुष्टि की है।

नई दिल्ली। चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग के बाद लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान कई नई तस्वीरें जारी कर चुका है। इस बीच इसरो ने एक नई वीडियो जारी की है, जिसमें रोवर अपने नए उपकरण की मदद से चांद पर नई खोज कर रहा है।

इसरो ने बताया कि रोवर ने अपने अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोप (एपीएक्सएस) उपकरण की मदद से सल्फर की चांद पर मौजूदगी की एक बार फिर पुष्टि की है।

नई तकनीक से सल्फर की पुष्टि

इसरो ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा कि रोवर ने इस बार सल्फर की खोज एक अन्य तकनीक से की है। इसरो ने लिखा कि चंद्रयान-3 की यह खोज वैज्ञानिकों को चांद पर सल्फर (S) के स्रोत का पता लगाने के लिए अब मजबूर कर रही है। वैज्ञानिकों को अब यह पता लगाना होगा कि चांद पर ये सल्फर ज्वालामुखी या उल्कापिंड किससे बना है।

चांद पर कई तत्व मौजूद

इससे पहले मंगलवार को भी अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा था कि प्रज्ञान रोवर पर लगे लेजर-प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप (LIBS) उपकरण ने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सल्फर की मौजूदगी की पुष्टि की थी। चांद पर एल्युमीनियम, मैंगनीज, कैल्शियम, फेरस (आयरन), क्रोमियम, टाइटेनियम, सिलिकॉन और ऑक्सीजन का भी पता चला था।

मठेड़ा प्रजापत समाज के विकास की मांगो को लेकर भीलवड़ा से जयपुर सी.एम ऑफिस व जयपुर से दिल्ली प्रधानमंत्री ऑफिस पदयात्रा

मठेड़ा प्रजापत समाज के विकास के लिए तीन प्रमुख मांगों के लिए यह पदयात्रा आरम्भ की जायेगी

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाडा। मेवाड मठेड़ा प्रजापत नवयुवक सेवा संस्थान जिला भीलवाड़ा व समस्त मठेड़ा प्रजापत समाज की ओर से दिनांक 01.09.2023 को द्वारकाधीश भगवान सीताराम जी की बावडी से पदयात्रा सवेरे 11रू15 बजे से आरम्भ होगी। मेवाड़ मठेड़ा प्रजापत नवयुवक सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक प्रजापत ने बताया की श्रीयादे मां का छायाचित्र दो अलग.अलग मटकियो पर बनाकर उनके जरिये दो प्रार्थन.पत्र। जिसमें एक प्रार्थना.पत्र राजस्थान के सीएमए श्रीमान-अशोक जी गहलोत साहब के समक्ष रखेंगे व दूसरा प्रार्थना.पत्र भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र जी गोदी साहब के समक्ष रखेंगे। मठेड़ा प्रजापत समाज के विकास के लिए तीन प्रमुख मांगो के लिए यह पदयात्रा आरम्भ की जायेगी।

गोवा AAP प्रमुख को क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार, अमित पालेकर बोले- यह डर्टी पॉलिटिक्स है

आम आदमी पार्टी गोवा इकाई के अध्यक्ष अमित पालेकर को गोवा क्राइम ब्रांच ने गुरुवार (31 अगस्त) को गिरफ्तार कर लिया। पालेकर की गिरफ्तारी रोड रेज मामले में हुई है। पुलिस स्टेशन ले जाए जाते समय अमित पालेकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह बिल्कुल गंदी राजनीति है और इस केस से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

गोवा। आम आदमी पार्टी गोवा इकाई के अध्यक्ष अमित पालेकर को गोवा क्राइम ब्रांच ने गुरुवार (31 अगस्त) को गिरफ्तार कर लिया। पालेकर की गिरफ्तारी रोड रेज मामले में हुई है। पुलिस स्टेशन ले जाए जाते समय अमित पालेकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह बिल्कुल गंदी राजनीति है और इस केस से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

दरअसल, अगस्त की शुरुआत में राजधानी पणजी के पास एक मर्सिडीज कार ने तीन लोगों को कुचल दिया था। अमित पर आरोप है कि उन्होंने मामले से संबंधित सबूत नष्ट कर दिए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि पालेकर पर दुर्घटना के समय गाड़ी चला रहे मुख्य आरोपी को बचाने की कोशिश में जांच अधिकारी के सामने गलत व्यक्ति को कार चालक के रूप में पेश करके तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप है।

व्यवसायी परेश सावरदेकर गिरफ्तार: पुलिस अधिकारी ने कहा, अमित पालेकर को आईपसी की धारा 201 (अपराध के सबूतों को गायब करना) के तहत गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले व्यवसायी परेश सावरदेकर को 7 अगस्त को कथित तौर पर नशे की हालत में मर्सिडीज कार चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि परेश सावरदेकर मर्सिडीज कार चला रहे थे, जिन्होंने पणजी के पास बानास्टारिम गांव में पांच वाहनों को टक्कर मार दी थी। इस एक्सीडेंट में तीन लोगों की मौत हो गई थी।

ऑफिस से हुई गिरफ्तारी: पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना राज्य की राजधानी से लगभग 15 किलोमीटर दूर पोंडा-पणजी नेशनल हाईवे पर हुई थी। दुर्घटना में तीन कारों, एक मोटरसाइकिल और एक स्कूटर को टक्कर मार दी गई थी। अधिकारी ने बताया कि गुरुवार की सुबह पुलिस ने आप गोवा प्रमुख को पणजी स्थित उनके ऑफिस से हिरासत में लिया।

'चंद्रयान 3 की सफलता के बाद हर कोई कह रहा था, भारत ने कर दिखाया', ब्रिक्स समिट के पलों को याद कर बोले जयशंकर

दिल्ली विश्वविद्यालय के एक सम्मेलन में ब्रिक्स सम्मेलन का अनुभव साझा करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि उस दौरान हम शारीरिक रूप से बैठक में मौजूद थे लेकिन मानसिक रूप से बेंगलुरु में थे। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन से भारत ने पूरे दुनिया को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल सोलर अलायंस के माध्यम से सौर ऊर्जा को लेकर पूरी दुनिया की सोच बदली है।

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान चंद्रयान 3 की लैंडिंग के दौरान जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि भारत ने पूरी दुनिया को प्रेरित किया है।

चंद्रयान 3 मिशन ने बढ़ाई भारत की शान

दरअसल, जिस दिन दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन किया गया था, उसी दिन चंद्रयान 3 को चांद के सतह पर लैंड होना था। इस पर बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा, ₹ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में, हम शारीरिक रूप से वहां मौजूद तो थे, लेकिन मानसिक रूप से हम बेंगलुरु में थे। पूरे समय पीएम और हमारे मन में केवल चंद्रयान का ही ख्याल आ रहा था।₹ उन्होंने कहा, ₹उस शाम चर्चा का एक ही विषय था, जो चंद्रयान की लैंडिंग था। वह दिन मेरे लिए सबसे भरा रहा था, क्योंकि सभी नेताओं की यह भावना थी कि भारत ने यह कर दिखाया है।

खानपान की आदतें बदलेगा

इस सम्मेलन में एस जयशंकर ने कहा, ₹हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस के माध्यम से सौर ऊर्जा को लेकर पूरी दुनिया की सोच बदल दी है। आज हम इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स के माध्यम से दुनिया की खानपान की आदतों को बदलने की भी कोशिश कर रहे हैं।

रक्षाबंधन से एक दिन पहले शख्स की हुई मौत, रोते-बिलखते बहन ने मृत भाई की कलाई पर बांधी राखी

पूरे देश में भाई-बहन के प्यार को दर्शाने वाला पवित्र रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया जा रहा है। बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांध रहीं तो बदले में भाई अपनी बहन को उपहार स्वरूप कुछ न कुछ दे रहे हैं। मगर जब देश रक्षाबंधन का जश्न मना रहा है ऐसे में तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले से एक दिल को चीर देने वाली खबर आई है।

नई दिल्ली। पूरे देश में भाई-बहन के प्यार को दर्शाने वाला पवित्र रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया जा रहा है। बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांध रहीं तो बदले में भाई अपनी बहन को उपहार स्वरूप कुछ न कुछ दे रहे हैं। मगर, जब देश रक्षाबंधन का जश्न मना रहा है ऐसे में तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले से एक दिल को चीर देने वाली खबर आई है।

मृत भाई की कलाई पर रोते हुए राखी बांधी

पेद्दापल्ली जिले में एक बहन के भाई की रक्षाबंधन से एक दिन पहले हार्ट अटैक से दुखद मौत हो गई। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला अपने मृत भाई की कलाई पर रोते हुए रखी बांध रही है। दरअसल, चौधरी कनकैया का मंगलवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनकी बहन अपने भाई के घर रक्षाबंधन मनाने आई थी, महिला अपने भाई को राखी बांधती इससे पहले ही उसकी मौत हो गई।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

अपने भाई को खो देने के बावजूद, कनकैया की छोटी बहन गौरम्मा पुट्टेडु ने रक्षाबंधन की रस्म निभाते हुए दिवंगत भाई की कलाई पर राखी बांधी। यह गमगीन करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस दौरान वीडियो में शोकाकुल परिजनों को देखा जा सकता है।

'ये घबराहट का संकेत...', संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने पर बोले राहुल गांधी

संसद के विशेष सत्र बुलाए जाने पर राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि ये घबराहट का संकेत है। उन्होंने कहा कि पहले घबराहट की वजह से संसद से मेरी सदस्यता रद कर दी गई थी और ये उसी तरह की घबराहट है। बता दें कि सरकार ने सितंबर महीने में संसद का विशेष सत्र बुलाया है। इस विशेष सत्र का आयोजन 18 सितंबर से 22 सितंबर के बीच होगा।

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र बुलाए जाने पर राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि ये घबराहट का संकेत है। उन्होंने कहा कि पहले घबराहट की वजह से संसद से मेरी सदस्यता रद कर दी गई थी और ये उसी तरह की घबराहट है।

संसद के विशेष सत्र का आयोजन

बता दें कि सरकार ने सितंबर महीने में संसद का विशेष सत्र बुलाया है। इस विशेष सत्र का आयोजन 18 सितंबर से 22 सितंबर के बीच होगा, जिसे लेकर राहुल गांधी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट किया है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लिखा,

मुझे लगता है कि शायद यह थोड़ी घबराहट का संकेत है। उसी तरह की घबराहट है, जो तब हुई थी जब मैंने संसद में बोला था, घबराहट की वजह से अचानक उन्हें मेरी संसद सदस्यता रद करनी पड़ी। इसलिए, मुझे लगता है कि यह घबराहट की बात है, क्योंकि ये मामले पीएम के बहुत करीब हैं। जब भी आप अडानी मामले को छूते हैं, तो पीएम बहुत असहज और घबरा जाते हैं।

अडानी मामले में जेपीसी का हो गठनः राहुल गांधी

राहुल गांधी ने अडानी ग्रुप पर OCCRP के आरोपों पर कहा कि यह विषय देश की छवि से जुड़ा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी को इस विषय की जांच करने के लिए एक जेपीसी का गठन करना चाहिए।

विशेष सत्र पर क्या बोले अधीर रंजन?

वहीं, विशेष सत्र के आयोजन पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हमें इसके बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं बताया गया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सूचना दी जाती है, लेकिन पता नहीं क्या महत्वपूर्ण स्थिति आ गई है, जो विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। अधीर रंजन चौधरी ने मणिपुर और चीन पर चर्चा की मांग को लेकर कहा कि अगर सरकार में हिम्मत है, तो चीन और मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा करें। साथ ही हमारी जेपीसी गठन की मांग को स्वीकार करें।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला 7 को कारोई में माहेश्वरी सेवा संस्थान का करेंगे लोकार्पण

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा। बागोर ज्योतिष नगरी कारोई स्थित हनुमान मंदिर के सामने बने नव निर्मित माहेश्वरी सेवा संस्थान का लोकार्पण 7 सितंबर को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के हाथों होने जा रहा हैं।माहेश्वरी सेवा संस्थान कमेटी के सदस्य जगदीश काबरा, राधेश्याम मालीवाल, शंकर लाल बहैड़िया व रामधन सोमानी ने बताया कि सुमित्रा देवी बाबूलाल काबरा माहेश्वरी सेवा संस्थान का लोकार्पण 7 सितंबर गुरुवार को दोपहर 3 बजे होना तय हुआ हैं।रामधन सोमानी ने बताया कि इस लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नई दिल्ली होंगे और बिरला के कर कमलों द्वारा लोकार्पण भी किया जाएगा। जबकि इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भीलवाड़ा सांसद सुभाष चन्द्र बहेड़िया करेंगे।

सोमानी ने बताया कि इस माहेश्वरी सेवा संस्थान के संरक्षक पूर्व सभापति, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा रामपाल सोनी व विशिष्ट अतिथि प्रदेश महामंत्री भाजपा दामोदर अग्रवाल, पूर्व मुख्य सचेतक कालूलाल गुर्जर, राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, स्थानीय विधायिका गायत्री कैलाश त्रिवेदी भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। जगदीश चन्द्र काबरा ने बताया कि माहेश्वरी सेवा संस्थान लोकार्पण के इस कार्यक्रम का आमंत्रणकर्ता सकल माहेश्वरी समाज कारोई हैं।रामधन सोमानी ने बताया कि इस लोकार्पण कार्यक्रम के लिए पूर्व में जगदीश काबरा, राधेश्याम मालीवाल, शंकर लाल बहैड़िया, रामधन सोमानी, डॉक्टर देवेंद्र कुमावत, रामप्रसाद मालीवाल, रामनारायण काबरा, रामेश्वर लाल काबरा, शांति लाल शर्मा, प्रदेश महामंत्री भाजपा दामोदर अग्रवाल व पूर्व जिलाध्यक्ष लादूलाल तेली सहित अन्य कार्यकर्ताओं की एक टीम ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला से मुलाकात कर आग्रह किया जिस पर अध्यक्ष बिरला ने 7 सितंबर का समय दिया।

उद्योगों को सप्ताह में दो बार 10-12 घण्टे का पावर कट का कड़ा विरोध

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा। मेवाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री ने राज्य के मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री एवं संबंधित अधिकारियों को प्रतिवेदन भेजकर बिजली विभाग की ओर से उद्योगों को सप्ताह में दो बार 10-12 घण्टे का पावर कट का कड़ा विरोध किया है एवं टेक्सटाइल सेक्टर, सीमेन्ट, जिंक उद्योगों को कन्टीन्युअस प्रोसेस इण्डस्ट्री के रुप में वर्गीकृत कर पावर कट से मुक्त रखने की मांग की है। साथ ही ऑपन एसेस से पावर खरीदने पर क्रोस सब्सिडी चार्जेज से मुक्त करने की मांग की है। मेवाड़ चैम्बर के मानद महासचिव आरके जैन ने बताया कि अभी हाल ही में बिजली विभाग द्वारा उद्योगों को सप्ताह में दो बार 10-12 घण्टे का पावर कट कर दिया है।

इस कारण संकटग्रस्त उद्योग और ज्यादा परेशानी में आ गये है। टेक्सटाइल सेक्टर, सीमेन्ट, जिंक उद्योगों कन्टीन्युअस प्रोसेस इण्डस्ट्री है, लेकिन राजस्थान में उद्योगों को इस श्रेणी में वर्गीकृत नही किया हुआ है। जबकि अन्य राज्यों में टेक्सटाइल एवं अन्य उद्योग को कंटीन्यूअस प्रोसेस इण्डस्ट्री के रूप में वर्गीकृत किया हुआ है। चैम्बर ने मांग कि की टेक्सटाइल, सीमेन्ट, जिंक उद्योगों को कंटीन्यूअस प्रोसेस इण्डस्ट्री मानते हुए इन उद्योगों को पावर कट से मुक्त किया जाए। भीलवाडा, चित्तौडगढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर में टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 2.5 लाख व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ है। सप्ताह में दो दिन उद्योग बन्द होने से मजदूरों में काफी असंतोष हो रहा है एवं कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब हो रही है। चैम्बर ने टेक्सटाइल, सीमेंट, जिंक उद्योगों को कंटीन्यूअस प्रोसेस इण्डस्ट्री के रूप में पावर कट जाए। मुक्त किया जैन ने बताया कि राजस्थान में कुछ सालों पूर्व तक ओपन एसेस से पावर खरीदने पर कोई चार्ज नहीं लगते थे। राज्य में पावर सप्लस स्थिति थी एवं पावर अन्य राज्यों को दिया जा रहा था। लेकिन पिछले तीन-चार वर्षो से ओपन एसेस से पावर खरीदने पर अत्यधिक व्हीलिंग एवं क्रॉस सब्सिडी चार्जेज लगा दिये गये है।

राज्य की इन उद्योग विपरीत निर्णय से वर्तमान में कोई भी उद्योग ओपन एसेस से पावर नहीं ले पा रहा है, एवं साथ ही सरकार को भी ओपन एसेस से पावर खरीदने पर किसी तरह का राजस्व नही मिल रहा है। राजस्थान में पावर की पूर्ण उपलब्धता होने तक उद्योगों द्वारा ओपन एसेस से पावर खरीदने पर सभी तरह के शुल्क से मुक्त किया जाना चाहिए, जिससे उद्योग आवश्यकता पडने पर ओपन एसेस से पावर खरीद सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023